हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 118 ● भिलाई, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आतंकवादी नई तकनीक का कर रहे इस्तेमाल, भारत ने दुनिया को किया हैकिंग के खतरे से आगाह

नई दिल्ली। भारत ने दुनिया को आंतकियों के बदलते पैटर्न से आगाह किया है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत ने तकनीक के दुरुपयोग का हवाला देते हुए हैकिंग के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि आतंकवादियों और नॉन-स्टेट एक्टर्स द्वारा उभरती तकनीकों का संभावित दुरुपयोग बेहद गंभीर चिंता का विषय है। तेजी से होते तकनीकी बदलावों के दौर में संघर्ष समाधान विषय पर सुरक्षा परिषद की एक चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जरिए अधूरा, गलत या जानबूझकर बदला गया डेटा निर्णय लेने की प्रक्रिया को कमजोर कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। पी हरीश बोले, भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा और उभरती हुई तकनीकों के क्षेत्र में काफी प्रगति की है।

टोल बचाने के लिए ये काम करने वालों की खैर नहीं, देना होगा 8 गुना तक जुर्माना

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे पर बिना रुके सफर की सुविधा देने वाले बैरियर-लेस टोल प्लाजा पर टैक्स चोरी करने के लिए वाहन की नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वाले चालकों के खिलाफ केंद्र सरकार अब बेहद सख्त रुख अपनाने जा रही है। टोल बचाने के चक्कर में नंबर प्लेट मोड़ने या उस पर टेप व कागज चिपकाकर अंक छिपाने की चालाकी अब वाहन मालिकों की जेब पर बेहद भारी पड़ेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय एक ऐसा कड़ा नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत पकड़े जाने पर सामान्य टोल शुल्क का 4 से 8 गुना तक भारी-भरकम जुर्माना वसूला जाएगा। इसके लिए मंत्रालय की ओर से नेशनल हाईवे फीस रूल्स में जरूरी संशोधन करने का प्रस्ताव तेजी से तैयार किया जा रहा है।

किताबों में धुंधली छपाई पर एनसीई आरटी सख्त

नई दिल्ली। देश भर के स्कूली बच्चों को साफ और गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग यानी एनसीईआरटी ने बेहद सख्त कदम उठाया है। काउंसिल ने अपने सभी मंजूरशुदा प्रिंटिंग प्रेस को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए साफ कर दिया है कि यदि किताबों की छपाई खराब या कंटेंट धुंधला पाया गया, तो संबंधित प्रिंटर्स के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। देश के विभिन्न हिस्सों से किताबों की घटिया प्रिंटिंग को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एनसीईआरटी ने सोमवार को यह आधिकारिक एडवाइजरी जारी की है। एनसीईआरटी ने अपनी एडवाइजरी में इस बात पर गहरी चिंता जताई है कि बाजार में मौजूद।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

ज्यादा चीनी,नमक और फैट वाले फूड पैकेट पर लगेंगे अलग लाल निशान..

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में पैकेट वाले खाने और जंक फूड का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में उपभोक्ताओं को यह बताना जरूरी है कि वे जो प्रोडक्ट खरीद रहे हैं, उसमें कितनी चीनी, नमक और फैट है। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि ज्यादा चीनी, नमक या फैट वाले पैकेज्ड फूड पर अलग-अलग लाल रंग के षट्कोण वाले चेतावनी निशान लगाए जाएं। हर निशान पर संबंधित पोषक तत्व की जानकारी और उसकी तस्वीर भी होनी चाहिए। यह फैसला 26 नवंबर को '3स एंड अवर हेल्थ सोसाइटी' की जनहित याचिका पर सुनाया गया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरणको पोषण संबंधी चेतावनी के नियमों में बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य है कि ग्राहक पैकेट देखकर ही समझ सकें कि किसी खाद्य पदार्थ में कौन-सा पोषक तत्व ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफकिया है कि चीनी, नमक और फैट के लिए एक ही संयुक्त निशान नहीं लगाया जाएगा। जिस उत्पाद में जिस पोषक तत्व की मात्रा तय सीमा से ज्यादा होगी, उसके लिए अलग लाल षट्कोण वाला चेतावनी निशान लगाना होगा। हर निशान पर संबंधित पोषक तत्व की तस्वीर के साथ अंग्रेजी में स्पष्ट शब्दों में चेतावनी लिखी होगी।

HIGH FAT: ज्यादा फैट होने पर
HIGH SUGAR: ज्यादा चीनी होने पर
HIGH SALT: ज्यादा नमक होने पर

उदाहरण के लिए, अगर किसी पैकेट वाले खाद्य पदार्थ में चीनी और नमक दोनों की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है, तो उस पर दो अलग-अलग लाल निशान लगाने होंगे। इसी तरह तीनों पोषक तत्वों की मात्रा ज्यादा होने पर तीन अलग चेतावनी निशान लगाने होंगे। अदालत ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक षट्कोण का आकार पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के अनुपात में करीब 4 से 5 प्रतिशत रखा जाए। स्नस्ड्डु को फॉन्ट का आकार भी ऐसा तय करना होगा, जिससे ग्राहक खरीदारी के दौरान चेतावनी आसानी से पढ़ सकें। सुप्रीम कोर्ट ने पोषण संबंधी चेतावनी के लिए पोषक तत्वों की सीमा तय करने के तरीके में भी बदलाव करने को कहा है। अदालत ने निर्देश दिया कि चीनी और फैट के मामले में सिर्फ एडेड शुगर और एडेड फैट को आधार न बनाया जाए। इसके बजाय कुल चीनी यानी टोटल शुगर और सैचुरेटेड फैट की मात्रा को ध्यान में रखा जाए। नमक को भी पोषक तत्वों की इस सूची में शामिल रखा गया है। इसका मतलब है कि किसी प्रोडक्ट में अलग से चीनी नहीं मिलाई गई है, लेकिन उसमें प्राकृतिक रूप से कुल चीनी की मात्रा ज्यादा है, तो उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकेगा। अदालत ने स्नस्ड्डु को इन सभी पोषक तत्वों के लिए नई सीमा तय करने का निर्देश दिया है। यह सीमा वैज्ञानिक तथ्यों और स्वास्थ्य संबंधी साक्ष्यों के आधार पर तय होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पोषक तत्वों की मात्रा तय करने में संतुलन रखना जरूरी है।



सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों को स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों को स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने केंद्र सरकार को स्कूलों के पाठ्यक्रम में जरूरी बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही बच्चों को पोषण संबंधी जानकारी केवल किताबों तक सीमित नहीं रखने को कहा गया है। इसके लिए स्कूलों में इंटरैक्टिव वर्कशॉप, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां और दूसरे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इन गतिविधियों के जरिए बच्चों को बताया जाएगा कि खाने में मौजूद चीनी, नमक और फैट की मात्रा का स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है और संतुलित खानपान क्यों जरूरी है। अदालत ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम, 2020 को भी सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है।

एफएसएसएआई को 4 महीने में नियमों का मसौदा तैयार करना होगा-कोर्ट

इस मामले में एफएसएसएआई ने पहले पैकेट के सामने लाल रंग का चेतावनी निशान लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसमें शुरुआत में उन उत्पादों को शामिल करने की बात थी, जिनमें दो या उससे ज्यादा पोषक तत्वों की मात्रा तय सीमा से अधिक हो। इसके बाद दूसरे चरण में एक पोषक तत्व की अधिक मात्रा वाले उत्पादों को शामिल करने का प्रस्ताव था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस चरणबद्ध व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने निर्देश दिया कि तय सीमा से किसी एक पोषक तत्व की मात्रा भी ज्यादा होने पर चेतावनी का प्रावधान लागू होना चाहिए। स्नस्ड्डु ने अदालत को बताया कि नए नियमों का मसौदा तैयार करने में करीब चार महीने का समय लगेगा।

दीपके ने की पीएम मोदी की इंदिरा गांधी से तुलना

1970 में भी किसी को तानाशाही का भूत चढ़ा था-अभिजीत दीपके

नई दिल्ली/ एजेंसी

संविधान दिवस के मौके पर नागपुर में आयोजित CJP Democracy Save Rally में संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमले किए। अपने भाषण में उन्होंने एक ओर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की ताकत का जिक्र किया, तो दूसरी ओर मौजूदा सरकार की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दौर से करते हुए तानाशाही का मुद्दा उठाया। दीपके ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब आंबेडकर के संविधान की वजह



से ही एक चाय बेचने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने संविधान को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि यह हर नागरिक को आगे बढ़ने और देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचने का अवसर देता है। हालांकि, इसी के साथ उन्होंने सरकार पर संवैधानिक और सरकारी संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप भी लगाया। सत्ता में बैठे लोगों पर कटाक्ष करते हुए दीपके ने कहा, आधे अनपढ़, कुछ क्रिमिनल और बाकी गंवारज उनके इस बयान के दौरान सरकार पर उनका हमला तीखा रहा। सीजेपी संस्थापक ने प्रधानमंत्री मोदी और उद्योगपतियों के कथित करीबी संबंधों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने सरकार की नीतियों और बड़े उद्योगपतियों को मिलने वाले कथित लाभों पर निशाना साधते हुए सत्ता और कारोबारी जगत के संबंधों को मुद्दा बनाया।

दिल्ली-एनसीआर में ठंड और प्रदूषण का दोहरा प्रहार- घने कोहरे का अलर्ट, एक्यूआई लाल जोन में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के एनसीआर क्षेत्रों में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। ठंड तेजी से बढ़ रही है और सुबह-शाम की ठिठुरन ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। खासकर 26 और 27 नवंबर के आसपास घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है, जिससे दृश्यता और यातायात प्रभावित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जताया दुख

छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता लेखक कनक तिवारी का निधन

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार की तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई है। 85 वर्षीय शरद पवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। पिता की तबीयत बिगड़ने की खबर मिलने के बाद सुप्रिया सुले पार्टी की अहम बैठक बीच में छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। सुप्रिया सुले के मुताबिक, शरद पवार को डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती



है। उन्होंने पिता को आराम करने और यात्रा कम करने की सलाह भी दी है। सुप्रिया सुले ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस में लिखा, 'बाबा को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करा रही हूं। ऐसा लगता है कि उन्हें डिहाइड्रेशन हुआ है।

विपक्षी पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है

पीएम बोले-नारीशक्ति को न्याय दिलाने का संकल्प नहीं रुकेगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

आज देश भर में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अपनाया था। संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेख लिखा है। अपने लेख में पीएम मोदी ने भारतीय संविधान की महत्ता, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा अपनी सरकार के कामकाज का जिक्र किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को संविधान दिवस पर ब्लॉग लिखकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि विपक्ष की सबसे



बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। संविधान निर्माता, खासकर डॉ. भीमराव आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे। मोदी ने नारी शक्ति वंदन बिल का जिक्र करते हुए लिखा कि विपक्ष के एक प्रमुख दल ने महिलाओं को आरक्षण देने के लिए लाए गए विधेयक को पारित नहीं होने दिया। इससे एक बार फिर साबित हो गया कि उस दल के मन में संवैधानिक मूल्यों के प्रति कितना कम सम्मान है। मोदी ने ब्लॉग में लिखा- इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। संविधान की यात्रा उन महिलाओं को याद किए बिना पूरी नहीं हो सकती, जिन्होंने इसे बनाने में अहम भूमिका निभाई। पीएम ने लिखा- मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

ड्रग मनी हिंद महासागर के लिए बड़ा खतरा, मिलकर रोकना होगा : एनएसए अजित डोभाल

नई दिल्ली। मालदीव की राजधानी माले में कोलंबो सिक्योरिटी काउंसिल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 8वीं बैठक आयोजित की गई। इसमें भारत के एनएसए अजित डोभाल ने हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और साझा विरासत पर जोर दिया। ड्रग तस्करी को लेकर फिक्र जाहिर जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका, मालदीव समेत अन्य देशों के साथ जानकारी साझा कर इस पर काम कर रहा है और अब इस सहयोग को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव की यात्रा में योगदान देने वाले सभी सदस्य देशों का धन्यवाद किया।

तमिलनाडु में पहली बार लागू हुआ पितृत्व अवकाश

तमिलनाडु में पिता बनने पर मिलेगी 15 दिन की छुट्टी-विजय थलापति.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

बच्चे की परवरिश और परिवार की जरूरतों में पिता की सक्रिय भूमिका को महत्व देते हुए तमिलनाडु सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार ने पुरुष सरकारी कर्मचारियों के लिए 15 दिन की पितृत्व छुट्टी लागू करने की घोषणा की है, जिससे कर्मचारी बच्चे के जन्म के समय अपने परिवार को सहयोग दे सकेंगे। सरकार के मुताबिक, पुरुष सरकारी कर्मचारी लंबे समय से पितृत्व अवकाश की मांग कर रहे



थे, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। तमिलनाडु में पहली बार पुरुष कर्मचारियों को इस तरह की छुट्टी की सुविधा दी गई है। प्रशासन का मानना है कि बच्चे के पालन-पोषण में पिता की मौजूदगी और भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। सरकार ने पितृत्व अवकाश लेने के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की है। जारी आदेश के तहत विवाहित पुरुष सरकारी कर्मचारी बच्चे के जन्म से 15 दिन पहले यह छुट्टी ले सकते हैं। इसके अलावा, बच्चे के जन्म के छह महीने के भीतर किसी भी समय 15 दिन का अवकाश लिया जा सकेगा, जिससे कर्मचारियों को अपनी सुविधा के अनुसार छुट्टी चुनने का लचीला विकल्प मिलेगा। तमिलनाडु सरकार का मानना है कि बच्चे की देखभाल केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें पिता की सहभागिता भी जरूरी है।

जनमानस को उम्मीदों को साकार करने का मिला भरोसा

संवेदनाओं से सुशासन की नई इबारत लिख रहे हैं मुख्यमंत्री साय...

- जनदर्शन में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों से आए नागरिकों के लिए झलकी आत्मीयता
- मुख्यमंत्री जनदर्शन शासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु

रायपुर/ संवाददाता

नेतृत्व की सार्थकता इस बात में निहित है कि सामान्य जन की पीड़ा को महसूस करना, किसी बुजुर्ग की आंखों में छिपी विवशता को समझना, एक मां की चिंता को अपनी चिंता मानना और संघर्ष कर रही किसी बेटी के सपनों को टूटने से बचाने के लिए आगे आना यही मानवीय मूल्यों को संरक्षित करना है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली में मानवीय संवेदनाओं का यही सुंदर स्वरूप दिखाई देता है। उनके लिए जनसेवा महज एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से जुड़ा एक संकल्प है। उनकी सहजता, सरलता और आत्मीयता शासन को आम नागरिकों के और करीब ला रही है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की सफलता का आकलन केवल विकास के आंकड़ों, अधोसंरचनाओं के निर्माण और योजनाओं के क्रियान्वयन से नहीं किया जा सकता। उसकी वास्तविक कसौटी यह है कि समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में कितना



सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की कार्यशैली में इसी विचार की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। उनके नेतृत्व में विकास और मानवीय संवेदनाएं एक दूसरे की पूरक बन रही हैं। शासन की प्राथमिकताओं में जहां प्रदेश की प्रगति है, वहीं उस प्रगति के केंद्र में आम नागरिक का सुख, सम्मान और बेहतर भविष्य भी है। मुख्यमंत्री श्री साय के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सहजता है। पद की गरिमा के साथ व्यवहार की सरलता बनाए रखना उनके नेतृत्व को विशिष्ट बनाता है। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में जब प्रदेश के दूरस्थ अंचलों से आए नागरिक उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखते हैं, तब उनके व्यवहार में एक अभिभावक जैसी आत्मीयता दिखाई देती है। किसी की बात को धैर्यपूर्वक सुनना, उसकी परिस्थितियों को समझना और समाधान के लिए तत्काल पहल करना संवेदनशील नेतृत्व की पहचान है। संवेदनशीलता का अर्थ केवल किसी की पीड़ा सुन लेना नहीं, बल्कि उस पीड़ा को दूर करने के लिए सार्थक प्रयास करना भी है। कोरबा जिले के 83 वर्षीय परसराम राठौर के जीवन में तीन दशकों बाद स्पष्ट आवाजें सुन पाने की खुशी इसी संवेदनशीलता का उदाहरण है। मुख्यमंत्री के मुख से निकले शब्द, 'बाबा, चिंता मत कीजिए', केवल आश्वासन नहीं थे।

मुख्यमंत्री ने जनदर्शन में जशपुर से आई बिटिया फरहीन की सुनी फरियाद

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में जशपुर से आई बिटिया फरहीन ने मुलाकात कर अपने परिवार की आर्थिक परेशानियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने बेहद आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ उसकी पूरी बात सुनी और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। अपनी माता के साथ जनदर्शन में पहुंची बीकॉम की छात्रा फरहीन ने बताया कि उसके पिता वर्ष 2018 से कैंसर से पीड़ित थे। लंबे समय तक चले इलाज में परिवार की पूरी जमा पूंजी खर्च हो गई। बीमारी से संघर्ष करते हुए वर्ष 2025 में पिता का निधन हो गया। पिता के इलाज में आर्थिक संसाधन समाप्त हो जाने के कारण अब परिवार के सामने घर तक गिरवी रखने की नौबत आ गई है।



कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता देने के निर्णय को उत्तर प्रदेश के खाद्य मंत्री ने सराहा

बिलासपुर। उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने किसानों द्वारा 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता प्रदान करने के छत्तीसगढ़ सरकार के निर्णय की सराहना की है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस निर्णय को किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे पांडेय ने आज सर्किट हाउस में खाद्य विभाग एवं सहकारी बैंक के अधिकारियों से चर्चा के दौरान राज्य में धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया और किसानों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह निर्णय किसानों के हित में अच्छी पहल है। चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित मात्रा से कम धान विक्रय करने पर भी किसानों को पूरी आदान सहायता देने का प्रावधान किया गया है।

इससे अपनी जरूरत के लिए धान सुरक्षित रखने अथवा कम मात्रा में धान बेचने वाले किसानों को भी सहायता का पूरा लाभ मिल सकेगा। यह निर्णय किसानों को अपनी उपज के उपयोग और विक्रय के संबंध में सहूलियत देने के साथ उनकी आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर पांडेय ने धान उपार्जन के लिए किसान पंजीयन, टोकन व्यवस्था, खरीदी केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, तौल एवं भुगतान सहित विभिन्न चरणों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने राज्य में खाद्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा विभागीय गतिविधियों की प्रगति से भी उन्हें अवगत कराया।

शिवरतन शर्मा के अनुशंसा एवं सतत् प्रयास से भाटापारा विधानसभा को मिली 47 करोड़ 90 लाख की सौगात

बलौदा बाजार। वरिष्ठ भाजपा नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा के अनुशंसा एवं सतत् प्रयास से लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने भाटापारा विधानसभा क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए कुल 47 करोड़ 89 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।



दोनों सड़कों के स्वीकृति आदेश लोक निर्माण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से दिनांक 25-11-2026 को जारी हुए हैं। करहीबाजार पुलिस चौकी से रामपुर (शिवनाथ नदी पुल तक) मार्ग, लंबाई 4.50 किमी. के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य के लिए 1150.03 लाख रुपये (11 करोड़ 50 लाख 3 हजार रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह मार्ग करहीबाजार, रामपुर सहित आसपास के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। शिवनाथ नदी पुल तक जाने वाले इस मार्ग के खराब होने से किसानों, व्यापारियों, स्कूली बच्चों और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब इस मार्ग के चौड़ीकरण से आवागमन सुगम होगा.. दूसरा सड़क हैं भाटापारा - मोपका-धनेली मार्ग-इसी प्रकार भाटापारा-मोपका- धनेली मार्ग, लंबाई 19.20 किमी. के मजबूतीकरण निर्माण कार्य के लिए 3639.82 लाख रुपये (36 करोड़ 39 लाख 82 हजार रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।



जनक जांगड़े बलौदा बाजार शाखा की नयी प्रबंधक

बलौदा बाजार। श्रीमती जनक जांगड़े को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, बलौदा बाजार का नया शाखा प्रबंधक नियुक्त किया गया है। उनके पदभार ग्रहण करने पर नगर स्थित बैंक शाखा में सभी प्राधिकृत अधिकारियों ने पहुँचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया और आत्मीय स्वागत करते हुए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर बलौदा बाजार शाखा के अंतर्गत आने वाले समस्त प्राधिकृत अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें नेतराम साहू (सकरी), चंद्रिका वर्मा (करमदा), सेवक राम साहू (रसेड़ा), गजेंद्र नायक (लाटुवा), डेरहाराम साहू (दशरमा), आसाराम वर्मा (सेमराडीह), जेठूराम (देवरी), वीरेंद्र पैकरा (खैंदा), संतोष पटेल (बलौदा बाजार), जेठू यादव (रिसदा), रमेशर यदु (खमहरिया) और संतोष सेन (धंवाई) प्रमुख रूप से शामिल थे।



पंतोरा की पहाड़ी में मिला लापता महिला का शव, प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका, संदिग्ध युवक ने पिया जहर ; कोरबा में भर्ती

जांजगीर-चांपा। पंतोरा चौकी क्षेत्र की तिलसा रवार पहाड़ी में बुधवार सुबह 30 वर्षीय लापता महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने प्रेम संबंध के विवाद में हत्या की आशंका जताते हुए संदिग्ध आरोपी की पहचान कर ली है। संदिग्ध ने जहर पी लिया है और कोरबा अस्पताल में भर्ती है। ग्राम अंगारखार निवासी महिला 22 नवंबर से लापता थी, जिसकी गुमशुदगी 24 नवंबर को दर्ज हुई थी। एसपी विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में पुलिस और ग्रामीणों की संयुक्त टीम ने सर्चिंग कर पहाड़ी से शव बरामद किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला अपने परिचित से मिलने पहाड़ी पर गई थी, तभी गांव का एक अन्य युवक वहां पहुंचा और प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद करने लगा। पुलिस ने हत्या की धारा 103(1) बीएनएस जोड़ ली है। संदिग्ध के स्वस्थ होने पर गिरफ्तारी की जाएगी।

दूसरी यूनिट शुरू होने के बाद कोरबा स्टेशन की कुल क्षमता 1,920 मेगावाट हो जाएगी, अधूरे पावर प्रोजेक्ट को मिला नया जीवन

- 2 साल की मेहनत और 250 से ज्यादा इंजीनियरों की टीम की मेहनत रंग लाई, पुराने प्रोजेक्ट को दिया नया जीवन



कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के पथाड़ी गांव में करीब एक दशक से अधूरा पड़ा एक बड़ा बिजली प्रोजेक्ट अब फिर से जीवंत हो उठा है। अदाणी पावर ने कोरबा पावर के 1,320 मेगावाट क्षमता वाले विस्तार प्रोजेक्ट की पहली 660 मेगावाट यूनिट को सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है। इस उपलब्धि के पीछे करीब 2 साल की लगातार मेहनत है। 250 से अधिक इंजीनियरों, विभिन्न भारतीय उपकरण निर्माता कंपनियों, साझेदारों और हजारों कर्मचारियों ने मिलकर लगभग ठहर चुके इस प्रोजेक्ट को दोबारा खड़ा किया। निर्माण के सबसे व्यस्त दौर में यहां करीब 10,000 लोग काम कर रहे थे। इस प्रोजेक्ट की नई कहानी अगस्त 2024 में शुरू हुई, जब अदाणी पावर ने एनसीएलटी प्रक्रिया के जरिए लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड का 4,101 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया। उस समय कंपनी का 600 मेगावाट का पावर प्लांट चालू था, जबकि 1,320 मेगावाट का विस्तार प्रोजेक्ट निर्माणाधीन था। विस्तार प्रोजेक्ट का करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका था, लेकिन 2016 से निर्माण रुका हुआ था। लंबे समय तक काम बंद रहने की वजह से मशीनों, प्लांट के विभिन्न हिस्सों और दूसरी व्यवस्थाओं की स्थिति का नए सिरे से आकलन करना पड़ा। बड़ी चुनौती यह भी थी कि पुराने प्रोजेक्ट से जुड़े कई जरूरी दस्तावेज और ड्रॉइंग या तो उपलब्ध नहीं थे या पर्याप्त नहीं थे। मूल इंजीनियरिंग और निर्माण ठेकेदार भी अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ा नहीं था। ऐसे में अदाणी पावर की टीम के सामने चुनौती किसी नए पावर प्लांट को बनाने से अलग थी। यहां उन्हें करीब एक दशक पुराने अधूरे प्रोजेक्ट को समझना, उसकी मशीनों और ढांचे की जांच करना और यह तय करना था कि किन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है और किन्हें बदलने या मजबूत करने की जरूरत है। टीम ने बॉयलर, टर्बाइन-जनरेटर, बिजली के उपकरण, कोयला पहुंचाने की व्यवस्था और पानी से जुड़ी प्रणालियों सहित प्लांट के प्रमुख हिस्सों की विस्तार से जांच की। जहां पुराने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं थे, वहां इंजीनियरों ने साइट की वास्तविक स्थिति के आधार पर जरूरी इंजीनियरिंग दस्तावेज और डिजाइन दोबारा तैयार किए। इसके साथ ही प्लांट से बनने वाली बिजली को ग्रिड तक पहुंचाने के लिए आवश्यक ट्रांसमिशन व्यवस्था भी तैयार की गई। एक-एक करके मशीनें और सिस्टम फिर चालू किए गए और लंबे समय से अधूरा पड़ा प्लांट उत्पादन की ओर बढ़ने लगा।

प्लांट के साथ आसपास के गांवों में भी बदलाव

पावर प्रोजेक्ट को दोबारा खड़ा करने के साथ अदाणी फाउंडेशन ने आसपास के गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक सुविधाओं पर भी काम शुरू किया है। शिक्षा के क्षेत्र में 24 गांवों के 50 सरकारी स्कूलों में 4,200 स्कूल किट बांटी गई हैं। नौ स्कूलों में 220 ड्यूल डेस्क दिए गए हैं। 15 स्कूलों में आरओ वाटर फिल्टर लगाए गए हैं, जिनका लाभ 1,800 से अधिक विद्यार्थियों और कर्मचारियों को मिल रहा है। तीन स्कूलों में शौचालय बनाए गए हैं, जिनसे 800 से ज्यादा विद्यार्थियों को सुविधा मिली है। कोरबा में शिक्षा और विज्ञान से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक साइंस एंड कन्वेंशन सेंटर भी स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा 11 गांवों के 18 आंगनवाड़ी केंद्रों में जरूरी सुविधाओं को बेहतर किया गया है। प्रोजेक्ट उड़ान के तहत आसपास के स्कूलों के बच्चों को कोरबा पावर प्लांट देखने और बिजली उत्पादन की प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर दिया जा रहा है। अक्टूबर 2025 से अब तक 164 विजिट आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 8,281 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया है। स्वास्थ्य के मोर्चे पर जून 2025 से आसपास के 18 गांवों में मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ करीब 17,000 लोगों तक पहुंच चुका है। छह मल्टी-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए गए हैं। इसके साथ आंखों की जांच सहित दूसरी स्वास्थ्य सेवाएं भी आसपास के गांवों तक पहुंचाई गई हैं। जरूरतमंद लोगों को चलने-फिरने और रोजमर्रा के जीवन में मदद के लिए 65 सहायक उपकरण भी दिए गए हैं। गांवों में रोशनी की व्यवस्था बेहतर करने के लिए अदाणी फाउंडेशन ने 11 ग्राम पंचायतों के 15 गांवों में 240 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई हैं, जिनसे 25,000 से अधिक लोगों को लाभ मिल रहा है। गांवों के बाजार और हाट वाले इलाकों में पांच सोलर हाई-मास्ट लाइट भी लगाई गई हैं। कोरबा की यह कहानी सिर्फ मशीनों को दोबारा शुरू करने की नहीं, बल्कि एक रुके हुए प्रोजेक्ट को तकनीक, टीमवर्क और लगातार कोशिशों के जरिए फिर से खड़ा करने की कहानी भी है

प्रभारी सचिव ने धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण, किसानों से की चर्चा





धान खरीदी में पारदर्शिता, किसानों की सुविधा और सुचारू उपार्जन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर प्रभारी सचिव एस. प्रकाश एवं कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर उपार्जन व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विकासखंड बलौदा के धान खरीदी केन्द्र बलौदा एवं कोरबी तथा सिवनी (नैला) स्थित धान खरीदी केन्द्र पहुंचकर धान खरीदी प्रक्रिया, तौल, गुणवत्ता परीक्षण, भंडारण एवं किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने केन्द्र प्रभारियों से अब तक उपार्जित धान की मात्रा, पंजीकृत किसानों की संख्या, जारी टोकन, धान विक्रय कर चुके किसानों तथा शेष किसानों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रतिदिन होने वाली खरीदी एवं उपलब्ध संसाधनों की स्थिति की भी समीक्षा की। प्रभारी सचिव ने धान तौल प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए नमी, धान की गुणवत्ता एवं बारदानों की उपलब्धता की जांच की। उन्होंने धान के सुरक्षित रख-रखाव, जल निकासी व्यवस्था तथा किसानों के लिए पेयजल और छायादार स्थान जैसी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को खरीदी केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने नोडल अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप धान खरीदी कार्य पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से निर्धारित समय-सीमा में संपन्न कराने कहा। उन्होंने धान की तौल निर्धारित मापदंडों के अनुसार करने, खरीदी के पश्चात सुरक्षित भंडारण एवं समय पर उठाव सुनिश्चित करने तथा बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने धान के अलग अलग किस्मो के आधार पर स्टेकिंग करने के निर्देश दिए।

उधारी के पैसों के विवाद में पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या करने वाला मुख्य आरोपी रायपुर से गिरफ्तार

- खोखरा हत्याकांड का पुलिस ने किया पर्दाफाश ; ट्रेकर डॉग 'गब्बर' ने दिलाया था अहम सुराग, एक आरोपी पहले ही जा चुका है जेल



जांजगीर-चांपा। ग्राम खोखरा में उधारी के पैसों के लेनदेन को लेकर पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी को कोतवाली पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कौशल सूर्यवंशी (40) को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी इतवारी सूर्यवंशी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घटना 17 नवंबर की रात करीब 10 बजे की है। ग्राम खोखरा के सूर्या चौक निवासी कौशल सूर्यवंशी, इतवारी सूर्यवंशी और देवनारायण सूर्यवंशी तीनों एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान उधारी के पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने देवनारायण के सिर पर पत्थर से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जन्मदिन पर मां महामाया मंदिर में की पूजा-अर्चना, वृद्धाश्रम और शिशुगृह पहुंचकर बांटी खुशियां

- बुजुर्गों को बांटे गर्म कपड़े और फल, लिया आशीर्वाद



रतनपुर/ बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज अपने जन्मदिन पर रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर, सिद्धि विनायक मंदिर एवं भैरो बाबा मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने बिलासपुर के कल्याण कुंज वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कुदुदंड स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित 'मातृ छाया' शिशुगृह पहुंचकर बच्चों के साथ खुशियां साझा की। उप मुख्यमंत्री साव ने कल्याण कुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों का कुशलक्षेम जाना। उन्हें गर्म कपड़े एवं फल वितरित किए। उन्होंने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनका स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त किया। साव ने कुदुदंड स्थित 'मातृ छाया' शिशुगृह पहुंचकर बच्चों के बीच समय बिताया और सेवा कार्यों में सहभागिता की।

रविशंकर दीपका, राजभानू हरदीबाजार तहसीलदार बने, जिले में 6 तहसीलदारों की पदस्थापना आदेश जारी

कोरबा, एजेंसी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुणाल दुदावत ने प्रशासनिक व्यवस्था की दृष्टि से जिले में पदस्थ 6 तहसीलदारों की अस्थायी पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेश के अनुसार दीपका के तहसीलदार अभिजीत राजभानू को हरदीबाजार तथा पसान तहसील कार्यालय में पदस्थ विरेंद्र कुमार श्याम को पाली का तहसीलदार बनाया गया है। अजगरबहार के तहसीलदार रविशंकर राठौर को दीपका और पोड़ीउपरोड़ा के तहसीलदार विनय देवांगन को पसान में पदस्थ किया गया है। स्थानांतरण के बाद जिले में उपस्थित तहसीलदार उमेश्वर सिंह बाज को पोड़ीउपरोड़ा तथा श्रीमती सिद्धि गबेल को अजगरबहार का तहसीलदार पदस्थ किया गया है।

ग्रामीण विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें : दिव्या अग्रवाल

- जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला मे तकनीकी दक्षता एवं मैदानी क्रियान्वयन पर दिया जोर



बलौदाबाजार। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष मे वीबी -जी राम जी अंतर्गत जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी दक्षता, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा समयबद्ध प्रगति के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्रामीण विकास में मैदानी अमले की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी का उपयोग ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यों को बेहतर बनाने में किया जाए। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों की योजना तैयार करने, ग्रामीण परिवारों को मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने तथा उपयोगी एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने वीज़ीपीपी पोर्टल पर व्यवस्थित कार्ययोजना तैयार करने एवं परिसंपत्तियों की सही मार्किंग,तकनीकी प्राक्कलन तथा मापन संबंधी प्रविष्टियों की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अभिलेखों, पोर्टल पर दर्ज जानकारी और वास्तविक मैदानी स्थिति में एकरूपता रखने तथा प्रगति की नियमित समीक्षा पर जोर दिया। जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान के अंतर्गत स्थानीय जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समन्वित प्रयास करने का मार्गदर्शन दिया। जलदूत ऐप में शतप्रतिशत एवं सही प्रविष्टियां सुनिश्चित करने तथा युक्तधारा और अनुमेय कार्यों की जानकारी का उपयोग ग्राम पंचायतों की आवश्यकता आधारित योजना बनाने में करने पर बल दिया गया। कार्यशाला में मेटों के कार्यस्थल पर तकनीकी प्रशिक्षण, अभियंताओं एवं संबंधित विभागों के समन्वय, ई-सक्षम हिंदी पाठ्यक्रम एवं प्रमाणन, संतृप्तता आधारित विशिष्ट कार्यों तथा शतप्रतिशत मूल्यांकन एवं सत्यापन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण का प्रावधान रखा गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण कर नियमित मैदानी निरीक्षण, गुणवत्ता की निगरानी और लंबित कार्यों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

नवागढ़ में सैकड़ों ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

भारी-भरकम बिल से भड़के ग्रामीण, बिजली ऑफिस का घेराव

- किसी का 8 हजार तो किसी का 15 हजार रुपये पहुंचा बिल



बेमेतरा। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में बेतहाशा बढ़ोतरी से बेमेतरा -नाराज नवागांव (ढनढनी) के सैकड़ों ग्रामीणों ने नवागढ़ स्थित विद्युत कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों के मुताबिक करीब 50 घरों का बिजली बिल 2500 से 1500 रुपए तक आ रहा है, जबकि उन घरों में ना तो मोटर पंप लगा है और न ही एसी या फ्रीज का उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने घरेलू मीटर दोबारा लगाने और मनमाने बिजली बिलों पर रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले सामान्य बिल आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई परिवारों का बिल कई गुना बढ़ गया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सामने भुगतान का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने नवागढ़ एसडीएम और विद्युत विभाग के सीनियर इंजीनियर को लिखित शिकायत सौंपकर समस्या के निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक, बिजली बिलों की रीडिंग लेने कर्मचारी गांव नहीं पहुंचते और बिलों को गांव की एक दुकान में छोड़ दिया जाता है, जहां से दुकानदार उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाता है।

रीडिंग लेने कोई नहीं आता

ग्रामीणों के मुताबिक, बिजली बिलों की रीडिंग लेने कर्मचारी गांव नहीं पहुंचते और बिलों को गांव की एक दुकान में छोड़ दिया जाता है, जहां से दुकानदार उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाता है। शिकायत के लिए बिजली कार्यालय पहुंचने पर जिम्मेदार अधिकारियों के उपलब्ध नहीं रहने की बात भी कही गई।

दो कमरों के मकान का बिल 15 हजार पार

नवागांव निवासी हेमू रजक ने बताया कि वे दो कमरों के मकान में रहते हैं। पिछले महीने उनका बिजली बिल 5 हजार रुपये आया था, जिसका उन्होंने भुगतान भी कर दिया। इसके बावजूद इस महीने उनका बिल बढ़कर 15,200 रुपये पहुंच गया। इसी तरह बाबूलाल वर्मा का बिल पिछले महीने करीब 4 हजार रुपये था, जो इस महीने बढ़कर 10 हजार रुपये हो गया।

भुगतान के बाद भी बढ़ता बिल

गोविंद रजक के मुताबिक, पिछले महीने उनका बिजली बिल 5 हजार रुपये आया था, जबकि इस महीने बढ़कर 8 हजार रुपये हो गया। वहीं गोवर्धन को पिछले महीने 5 हजार रुपये का बिल मिला था, जिसका भुगतान करने के बाद इस महीने 2,500 रुपये का बिल आया है।

संक्षिप्त समाचार

चाकू दिखाकर युवक से लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और नकदी बरामद

रायपुर। चाकू दिखाकर युवक से मारपीट और लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक को डराकर उसके पास रखे 700 रुपये नकद और वीवो कंपनी का मोबाइल फोन लूट लिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल और 200 रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, महुदा निवासी राहुल उर्फ देव कुमार बरेठ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 23 नवंबर की शाम काम से घर लौटते समय ग्राम कुरदा स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास दो युवकों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर उससे पूछा कि उसके पास क्या सामान है। इसके बाद दोनों ने मारपीट करते हुए उसकी जेब से 700 रुपये और हाथ में रखा वीवो मोबाइल फोन लूट लिया। आरोपियों ने दोबारा मारपीट करने के लिए उसका पीछा भी किया, लेकिन वह किसी तरह वहां से भागकर घर पहुंचा। घटना के बाद पीड़ित ने अपने पिता को इसकी जानकारी दी। रात होने और डर के कारण वह तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराने थाने नहीं पहुंचा। अगले दिन 24 नवंबर को उसने थाना चांपा में शिकायत दर्ज कराई।

प्रदेश महिला मोर्चा की टीम पहुँची उत्तरप्रदेश, घर-घर दे रही दस्तक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा (छत्तीसगढ़) की टीम विगत दिनों उत्तरप्रदेश पहुँची, जहाँ यह टीम भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के पक्ष में प्रचार-प्रसार करेगी। ज्ञातव्य है, छत्तीसगढ़ की महिला नेत्रियाँ दो बसों में 18 नवम्बर को उत्तरप्रदेश के लिए रवाना हुई जहाँ वे भाजपा की योजनाओं और नीतियों को लेकर घर-घर दस्तक देंगीं । योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उत्तरप्रदेश सुरक्षित और समृद्धि की ओर : विभा अवस्थी महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने बताया कि हमारे साथ प्रदेशभर की 73 महिला नेत्रियाँ आगामी उत्तरप्रदेश चुनाव के मद्देनजर सरकार की योजनाओं और नीतियों का प्रचार-प्रसार करने उप्र पहुँची हैं । यहाँ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति जनता का प्रतिसाद अप्रत्याशित है। लोगो में 'योगी महाराज' के प्रति अटूट विश्वास है। यहाँ आम जनमानस के मन में सुरक्षित और समृद्ध उत्तरप्रदेश निर्माण के लिए एकमात्र विश्वासपूर्ण चेहरा श्री योगी ही हैं । श्रीमती अवस्थी ने बताया कि हमारे द्वारा स्थानीय महिलाओं से सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर सम्पर्क साधा गया। महिलाओं में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर भरपूर समर्थन और सार्थक नजरिया है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सहसपुर लोहारा अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर का किया निरीक्षण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर लोहारा में आयोजित सोनोग्राफी एवं नेत्र जांच शिविर का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने और जरूरतमंदों को सहजता से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में संचालित अटल आरोग्य लैब और पोषण पुनर्वास केंद्र का भी जायजा लिया। उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन कर स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विजय शर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का पुनीत कार्य है। रक्त की आवश्यकता किसी भी समय किसी भी मरीज को पड़ सकती है। इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक और प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी लोगों को इस मानवीय एवं जीवनरक्षक कार्य में सहभागी बनने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ के मरवाही में कथित धर्मांतरण का मामला गरमाया बजरंग दल ने शिक्षक समेत कई लोगों की जांच की मांग की

रायपुर। जिले के ग्राम बहरी झोरकी में कथित अवैध धर्मांतरण का मामला सामने आने के बाद विवाद गहराने लगा है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इस मामले में जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शासकीय शिक्षक कृष्णा लाल लकड़ा सहित उनसे जुड़े कई अन्य व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। संगठनों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्तियों की कथित भूमिका की जांच कराने का आग्रह किया है। ज्ञापन में शिक्षक कृष्णा लाल लकड़ा और उनके परिवार के अलावा ध्यान सिंह केरकेट्टा, नितेश केरकेट्टा, विजय केरकेट्टा तथा बिटकू लाल के नामों का उल्लेख करते हुए उनकी भूमिका की पड़ताल करने की मांग की गई है।

जनता की पसंद से चुने गए क्रिएटर्स,16 मुख्य श्रेणियों और 46 उपश्रेणियों में अवॉर्ड्स

छत्तीसगढ़ के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर हैं हमारे कंटेंट क्रिएटर्स-मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिएटर एंड इन्फ्लुएंसर अवॉर्ड्स 2026 में की शिरकत, युवा क्रिएटर्स से पॉडकास्ट शैली में किया संवाद
- कंटेंट क्रिएटर्स अपनी रचनात्मकता से छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पर्यटन और लोकजीवन को दे रहे नई पहचान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिएटर एंड इन्फ्लुएंसर अवॉर्ड्स 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के कंटेंट क्रिएटर्स प्रदेश के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर हैं। वे अपने कैमरे और रचनात्मकता से छत्तीसगढ़ की ऐसी सुंदर तस्वीर देश-दुनिया के सामने ला रहे हैं, जिससे प्रदेश की लोककला, संस्कृति, खान-पान, पर्यटन स्थलों और छत्तीसगढ़ी भाषा को नई पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म सूचना एवं संवाद के प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। कंटेंट क्रिएटर्स की पहुंच लाखों लोगों तक है। वे मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और जनहित के विषयों को लोगों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छत्तीसगढ़ के जनजातीय और ग्रामीण अंचलों की समृद्ध परंपराओं, कला-संस्कृति और अनछुए पर्यटन स्थलों को दुनिया के सामने लाने में क्रिएटर्स का योगदान अहम हो सकता है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की जनता की सार्वजनिक वोटिंग के माध्यम से अपने पसंदीदा क्रिएटर्स का चयन किया गया। अवॉर्ड्स के लिए 16 मुख्य श्रेणियों और 46 उपश्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें



फूड, संस्कृति, स्वास्थ्य, शिक्षा, लाइफस्टाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से उल्लेखनीय योगदान देने वाले क्रिएटर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पॉडकास्ट शैली में युवा क्रिएटर्स से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने राजनीतिक और सामाजिक जीवन के अनुभव साझा किए। पंच से निर्विरोध सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री तक के सफर से जुड़े सवाल पर उन्होंने बताया कि कम उम्र में पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। पढ़ाई के साथ परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए वे सार्वजनिक जीवन में आए। गांव के लोगों ने उन्हें पंच और फिर सरपंच चुना। इसके बाद जनता के आशीर्वाद से विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिला। खेती-किसानी से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसान परिवार से आते हैं और उन्होंने खेती को करीब से देखा है। खेती ने उन्हें धैर्य, परिश्रम और जमीन से जुड़े रहने की सीख दी है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं और जरूरतों को वे समझते हैं। हमारी सरकार किसानों की सरकार है। प्रदेश में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। पात्रता के अनुसार 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले किसानों को भी आदान सहायता का लाभ दिया जा रहा है। नक्सलवाद के खात्मे से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प और हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि बस्तर की कई पीढ़ियों ने हिंसा का दर्द सहा है। अब वहां शांति और विश्वास का नया वातावरण बन रहा है।

संजय नगर में हुई पांच मौतों का सात महीने बाद खुलासा

रायपुर। संवाददाता

राजधानी के संजय नगर स्थित मदनी चौक में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत के मामले में करीब सात महीने बाद बड़ा खुलासा हुआ है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में सामने आया है कि परिवार के मुखिया साजिद अली ने ही अपनी पत्नी और तीन बच्चों को कीटनाशक मिलाकर खाना खिलाया था। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने जांच के आधार पर साजिद के खिलाफहत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, साजिद अली सट्टे के कारोबार में घाटे और आर्थिक तंगी से परेशान था। वह गोलबाजार और डगनिया क्षेत्र में मोबाइल के माध्यम से सट्टा खिलाता था। बैंक खातों की जांच में पिछले पांच वर्षों के दौरान करीब 70 लाख रुपये के लेनदेन का पता चला है। सट्टे का कारोबार बंद होने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि घटना वाले दिन साजिद ने अपने बेटे इरशाद को दो बार फोन कर घर बुलाया था। वह मिठाई और खाना लेकर घर पहुंचा था। इसके बाद खाने-पीने की चीजों में कीटनाशक मिलाकर पत्नी राबिया और तीन बच्चों को खिला दिया। सीसीटीवी फुटेज में वह सुबह 10:18 बजे आखिरी बार घर का दरवाजा बंद करते हुए दिखाई दिया। एसआईटी को जांच के दौरान यह जानकारी भी मिली कि घटना से करीब ढाई महीने पहले साजिद ने एक परिचित से परिवार के साथ संबंध अच्छे नहीं होने और जीने की इच्छा नहीं रहने की बात कही थी। पुलिस ने बैंक खातों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ीं। गौरतलब है कि 17 जुलाई को टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर स्थित मदनी चौक के एक किराए के मकान में पांच लोगों के शव मिले थे। मृतकों की पहचान साजिद अली (50), उसकी पत्नी राबिया और तीन बच्चों इरशाद अली, शाहिदा बेगम तथा इरशाबा परवीन के रूप में हुई थी। साजिद का शव फांसी पर लटका मिला था।

एसबीआई बैंक के पास मिला अधेड़ का अर्धनग्न शव, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में व्यापार विहार स्थित एसबीआई बैंक के पास एक अधेड़ व्यक्ति का शव अर्धनग्न अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही तारबाहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अधेड़ व्यक्ति का शव व्यापार विहार में एसबीआई बैंक के नजदीक मिला। शव अर्धनग्न हालत में होने के कारण घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सूचना पर तारबाहर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

शताब्दी पांडेय का कांग्रेस पर बड़ा हमला

संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने से नहीं होगा सम्मान-पांडेय..

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती शताब्दी पांडेय ने कांग्रेस पर संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। रायपुर स्थित भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने कहा कि संविधान गौरव दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देश के संविधान निर्माताओं के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिन विशेष रूप से संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को सम्मान देने का भी



अवसर है। श्रीमती शताब्दी पांडेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह दिवस निश्चित रूप से संविधान निर्माण में योगदान देने वाले सभी महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और देशवासियों को संविधान के मूल्यों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान के मूल्यों, आदर्शों और निर्धारित प्रक्रियाओं का सम्मान करे। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा संविधान की बात करती है और संविधान की प्रति लेकर राजनीतिक संदेश देती है, लेकिन उसके राजनीतिक आचरण पर भी सवाल उठने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौर से लेकर वर्तमान समय तक कांग्रेस कई मौकों पर संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करती रही है।

भ्रष्टाचार के दोषियों पर जारी रहेगी कार्रवाई,किसी को नहीं बख्शेंगे....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया है कि छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितताओं के मामलों में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितताओं से जुड़े मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा विभिन्न प्रकरणों में जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। सरकार इस तरह के मामलों को गंभीरता से ले रही है और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। गौरतलब है कि हाल ही में कोरबा में भ्रष्टाचार के मामले में जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर आंचल गिरी को गिरफ्तार किया था। उन पर एक कबाड़ी कारोबारी की गाड़ी छोड़ने के एवज में डेढ़ लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत के आधार पर एसीबी की टीम ने 21 नवंबर को उन्हें कथित तौर पर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। इस संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य कर आयुक्त की ओर से निलंबन आदेश भी जारी किया गया।आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर चुनाव का अपना महत्व होता है। पंच से लेकर प्रत्येक स्तर तक होने वाले चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा हैं। देश में 50 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने के दावे पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हैं। पहले ये लोग अति गरीब की श्रेणी में थे, लेकिन अब उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश में हाथियों के विचरण और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गंभीर समस्या है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का आंकड़ा 2.78 लाख मीट्रिक टन के पार, 70,979 किसानों ने बेचा धान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाअभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 23 नवंबर तक 70 हजार 979 किसानों से 2 लाख 78 हजार 010 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। खास बात यह है कि 23 नवंबर को एक ही दिन में 63 हजार 074 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित धान खरीदी अभियान के तहत किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष 360 नए धान उपार्जन केंद्र शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़कर 2461 हो गई है, जहां धान की आवक शुरू हो चुकी है। चालू खरीफसीजन में धान बेचने के लिए प्रदेश के 28 लाख से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली के माध्यम से अब तक किसानों को 5 लाख से अधिक टोकन जारी किए जा चुके हैं। इस व्यवस्था से किसान घर बैठे ही धान विक्रय के लिए अपनी तिथि निर्धारित कर पा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों की मेहनत का सम्मान और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना सरकार की प्रतिबद्धता है।

जल जीवन मिशन ने बदली पहाड़ी गांव गहन्दर की तस्वीर, पानी जुटाने की जद्दोजहद से मिली मुक्ति



- सौर ऊर्जा से घरों तक पहुंच रहा स्वच्छ जल, साग-सब्जियां उगाकर परिवार का पोषण भी संवार रहीं महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

कभी परिवार की प्यास बुझाने पहाड़ी रास्तों से नाले और झरने से पानी लाना महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। मटमैले पानी को कई परतों से छानकर पीने लायक बनाना पड़ता था। आज उन्हीं महिलाओं के घरों में नल से स्वच्छ पानी पहुंच रहा है। पानी जुटाने में लगने वाला समय और श्रम बच रहा है। घरों में साग-सब्जियां उगने लगी हैं और परिवारों के खानपान में भी बदलाव आ रहा है। यह तस्वीर गरियाबंद जिले के घने जंगलों के बीच पहाड़ी पर बसे गहन्दर गांव की है, जहां आज भी बिजली नहीं पहुंची है और चारपहिया वाहन से जाना संभव नहीं है। जल जीवन मिशन के तहत सौर ऊर्जा आधारित नल-जल योजना ने यहां विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के परिवारों, खासकर महिलाओं की जिंदगी को नई दिशा दी है। गरियाबंद जिला मुख्यालय से राजधानी रायपुर की ओर करीब 20 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी पर ग्राम पंचायत बारूका स्थित है। वहां से करीब 11 किलोमीटर लंबे जंगली रास्ते से होकर पहाड़ी पर बसे इसके आश्रित ग्राम गहन्दर तक पहुंचा जा सकता है। हाथी, हिरण और अन्य वन्य जीवों की आवाजाही वाले इस गांव में कमार जनजाति के करीब 11 परिवार रहते हैं। वनोपज संग्रहण इनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच यहां जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत पानी को पूरा करना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। ग्रामीण वर्षों से मौसमी नाले और झरने पर निर्भर थे। शासन द्वारा गांव से कुछ दूरी पर एक हैंडपंप भी लगाया गया था। इसके बावजूद पानी जुटाने के लिए ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। महिलाओं की दिनचर्या का बड़ा हिस्सा परिवार के लिए पानी की व्यवस्था में बीतता था। अब घर में नल लगने से उनकी यह परेशानी दूर हुई है। गहन्दर में बिजली की सुविधा नहीं होने के कारण जल जीवन मिशन के तहत सौर ऊर्जा आधारित नल-जल योजना स्थापित की गई है। इसके माध्यम से सभी घरों में नल कनेक्शन देकर स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है। दुर्गम पहाड़ी और बिजली के अभाव जैसी चुनौतियों के बीच सौर ऊर्जा ग्रामीणों तक पेयजल पहुंचाने का माध्यम बनी है। गहन्दर को अक्टूबर-2024 में श्हर घर जलश् ग्राम घोषित किया गया है। सरपंच श्री छत्रपाल कुंजाम बताते हैं कि नाले से पानी लाने की मशक्कत ग्रामीणों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी थी।

ऑनलाइन टोकन से बढ़ी सहूलियत

धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था से महिला किसानों को मिल रहा आर्थिक संबल.....

- उपज का मिलेगा एक लाख 24 हजार रुपये मूल्य, किसान हितैषी व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केंद्रों में की गई बेहतर व्यवस्थाओं एवं ऑनलाइन टोकन सुविधा से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल, सहज और सुविधाजनक हो गई है। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह का माहौल है। शासन की इन व्यवस्थाओं का लाभ महिला किसानों को भी मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल रहा है। इसी कड़ी में ग्राम भल्लौर निवासी महिला किसान श्रीमती फूलबाई अपनी 40 क्विंटल धान की उपज लेकर चैनपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचीं। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, सुव्यवस्थित खरीदी प्रक्रिया एवं ऑनलाइन टोकन व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की गई व्यवस्थाओं से महिला किसानों को भी अपनी उपज बेचने में काफी सहूलियत मिल रही है। किसानों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था धान विक्रय प्रक्रिया को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्र जाने अथवा लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। किसान 'टोकन तुंहर हाथ' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्र पहुंच सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से महिला किसानों के लिए लाभकारी है, क्योंकि इससे उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों के साथ कृषि संबंधी कार्यों के प्रबंधन में भी आसानी हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त बारदाने, तौल की समुचित व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

संपादकीय

अब एआई के सहारे साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे

तकनीक की दुनिया में हर रोज होते नए प्रयोग और लोगों को ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराने के दावे के समांतर होना यह चाहिए था कि इसका इस्तेमाल भी उतना ही सुरक्षित और सहज हो। इस लिहाज से देखें, तो इंटरनेट की उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर पिछले कुछ वर्षों के भीतर और खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ के बढ़ते इस्तेमाल तथा इससे जुड़े धोखे या ठगी के मामले में जैसी स्थिति पैदा हो गई है, उसमें यह कहना मुश्किल है कि इसमें आम लोगों को कितना सुरक्षित भविष्य मिल सकेगा।आए दिन साइबर हमले और उससे निपटने के उपायों के सामने खड़ी चुनौतियां यही साबित करती हैं कि इंटरनेट और इससे जुड़ी तकनीक की सुविधाओं के समांतर इसके जोखिम की जटिलताएं भी बढ़ती जा रही हैं। ऐसा नहीं है कि यह समस्या किसी छोटे दायरे में सिमटी हुई है। बल्कि दुनिया के तमाम देश साइबर हमलों और फर्जीवाड़े की मुश्किल चुनौती से जूझ रहे हैं। इस क्रम में भारत में स्थिति ज्यादा चिंताजनक दिखने लगी है।खुद सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में साइबर हमलों का साप्ताहिक औसत बढ़ कर प्रति संगठन 3,195 की संख्या तक पहुंच गया है। यह दुनिया भर में हो रहे साइबर हमलों के मुकाबले काफी अधिक है।गौरतलब है कि भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन ने इस संदर्भ में शुक्रवार को एक गंभीर चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि एआइ आधारित स्वायत्त एजेंट ने बिना इजाजत लिए भारतीय संगठनों की सक्रिय प्रणाली और गोपनीय डेटा तक पहुंच बनाई। जिन संगठनों को निशाना बनाया गया, उनमें से कोई भी अपने स्तर पर इसका पता नहीं लगा पाया और उनका खुलासा एआइ मॉडल बनाने वाली कंपनी की आंतरिक समीक्षा के बाद हो पाया।होना यह चाहिए था कि इंटरनेट और इससे जुड़ी तकनीक में नए अध्याय के रूप में एआइ के विस्तार के साथ फर्जीवाड़े और गड़बड़ी की संभावना न्यूनतम होती जाती। मगर अब स्थिति यह है कि एआइ का सहारा लेकर ही ज्यादा बारीक तरीके से बड़े दायरे में और खतरनाक तरीके से फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जा रहा है। जापान, फ्रांस और अमेरिका सहित दुनिया भर में बड़े संस्थान साइबर हमलों की वजह से बहुस्तरीय जोखिम का सामना कर रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल सुरक्षा रिपोर्ट, 2026 के मुताबिक भारत साइबर हमलों से प्रभावित दुनिया के शीर्ष सात देशों में शामिल है।जाहिर है, यह सामान्य साइबर संजाल के सहारे की जाने वाली ठगी के मुकाबले ज्यादा जटिल स्थिति है, क्योंकि एआइ और उसके उन्नत स्वरूप के जरिए किसी व्यक्ति या संगठन की तमाम सूचनाओं तक पहुंच बनाना आसान हो गया है। यानी जिस तकनीक के विकास के साथ यह उम्मीद की गई कि इससे आम साइबर हमलों से बचने के लिए एक सुरक्षा दीवार खड़ी की जा सकेगी।

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

(ललित गर्ग)

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है।



सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं।

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य'है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।

सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो हमें क्या लेना-देना है कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

नदियों को मां कहते हैं, लेकिन उनमें कचरा डालने की आदत नहीं छूट रही

(तवलीन सिंह)

गंगा और यमुना की सफाई पर हमारे करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं, लेकिन हालात नहीं बदले हैं। कड़वा सच यह है कि अपने देश में लीपापोती और झूठ के परदे के पीछे छिपते रहते हैं हमारे प्रिय राजनेता, लेकिन कभी-कभी इनके झूठ इतने



खतरनाक होते हैं कि इनको हमें बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। चुप रहने के बदले बोलना चाहिए आवाज ऊंची करके और बीच चौक में, ताकि दूर-दूर तक हमारी आवाज सुनी जाए, हमारी शिकायत दर्ज हो। ऐसे खयाल थे मन में जब छठ पूजा के दिन यमुना के किनारे दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नदी के साफ होने का दावा किया। छठ से कुछ दिन पहले ही तमाशा शुरू हुआ था। टीवी पत्रकारों को बुलाकर मुख्यमंत्री ने एक नाव पर सवार होकर यमुना में 'करूज' चलवाने का एलान किया। साबित करने की कोशिश थी कि अब यह नदी इतनी साफ हो गई है कि इस पर पर्यटक नावों में सवार होकर मजे कर सकते हैं। छठ पूजा के दिन मुख्यमंत्री पहुंचीं यमुना किनारे पूजा करने। हर समाचार चैनल पर दिखीं साफ पानी में खड़ी हुईं पूजा करती हुईं, लेकिन थोड़ी-सी खोजी पत्रकारिता करके पत्रकारों ने साबित किया कि सब ढोंग था, सिर्फ तमाशा। पत्रकारों ने नदी के बाकी घाटों पर जाकर दिखाया यथार्थ। जहरीले झाग में खड़ी होकर पूजा करती दिखीं आम महिलाएं। उनसे जब सवाल पूछे गए तो कइयों ने स्वीकार किया कि नदी साफ होती तो उनकी पूजा ज्यादा अच्छी होती। कइयों ने यह भी माना कि बाद में उनको कई किस्म की बीमारियां होती हैं नदी के गंदे पानी के कारण, लेकिन छठ पूजा तो करनी पड़ती है तो छठी मैया के हवाले छोड़ देती हैं अपने आपको इस भरोसे कि उनकी पूजा सच्ची होगी तो सूर्य भगवान उनकी रखवाली करेंगे। अंधविश्वास इतना है अपने देश में कि अपने धूर्त टाइप नेता हमेशा बच निकलते हैं।

अंधविश्वास का सहारा लेकर धर्म गुरु भी बच जाते हैं, तो शायद ही कोई है, जिसने नदियों की सफाई के साथ पुरानी आदतों को बदलने के लिए आवाज उठाई हो। सनातन धर्म ही दुनिया में इकलौता मजहब है, जिसने पर्यावरण को ऐसी ऊंची जगह दी है कि कोई भी पूजा नहीं होती है जिसमें फूल, फल और गंगाजल न हो। फूल और फल वे होते हैं, जिनका मौसम हो। गंगाजल की पवित्रता इतनी है कि हम मानते ही नहीं हैं कि इस नदी का पानी कभी मैला हो सकता है, इसलिए इसमें हर तरह की गंदगी हम डालते आए हैं सदियों से। अर्थी तो बहाते ही हैं गंगा में, लेकिन साथ में पूजा करने के बाद इसमें डालते हैं पूजा के फूल और वह प्लास्टिक के थैले जिनमें पूजा की सामग्री आती है। धर्म गुरु और शंकराचार्य अगर चाहें तो इस परंपरा को बदलकर कह सकते हैं श्रद्धालुओं को कि नदी में डालने के बदले पूजा के बाद सारी सामग्री मंदिर के बाहर निर्धारित स्थान पर छोड़ दें, ताकि खाद के काम आए व नदियों पर दबाव कम हो।

हैरान करने वाली बात है कि हिंदुत्व के इस दौर में हम पुरानी आदतों में सुधार लाने के बदले नई रस्में शुरू कर रहे हैं, जैसे अयोध्या में दीपोत्सव। राजनेता और टीवी चैनल दीपों से सजे घाट दिखाते हैं। बाद में जब नन्हें गरीब बच्चे नंगे पांव आते हैं दीपों से तेल इकट्ठा करने घर के चूल्हों के लिए तब उसे छिपाने की कोशिश रहती है। गंगा और यमुना की सफाई पर हमारे करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं पिछले पचास वर्षों में। पहली गंगा कार्ययोजना तैयार की गई थी जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, लेकिन आज तक गंगा का तकरीबन वही हाल है, जो तब था। इन दोनों पवित्र नदियों में रोज डाला जाता है गंदी नालियों और उद्योगों का जहरीला पानी। दोनों चीजें रोकी जा सकती हैं अगर राजनेता चाहें। उद्योगों पर कड़े जुर्माने लग सकते हैं अगर वे जहरीला पानी इन नदियों में गिराते हैं और जो जलशोधन संयंत्र लगे हैं गंगा किनारे और चलते नहीं हैं, उनको ठीक किया जाए, ताकि पानी वही जाए नदियों में जिसको साफ किया गया हो। अनुमान है कि कई संयंत्र बेकार हैं। शहरों की नगर पालिकाएं इतनी लापरवाह हैं कि ज्यादातर इनके अधिकारी अपनी पेट-पूजा में व्यस्त रहते हैं। प्रदूषण की समस्याएं और भी हैं। पर्यावरण मंत्री गायब रहे हैं उन दिनों जब दिल्ली की हवा इतनी प्रदूषित थी कि दिल्ली घोषित हुआ दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर। इस पर जब किसी आला अधिकारी का बयान आया तो दोष डाला उन्होंने पंजाब के किसानों पर इसलिए कि पंजाब में आपकी सरकार है। पराली जलाई जाती है हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी, लेकिन यहां भाजपा की सरकारें हैं। इसलिए इन पर दोष कोई नहीं डालता।

(यह लेखिका के अपने विचार हैं)

इजरायल के मुद्दे पर सहयोगियों और परिवार से अलग रुख अपना रहे राहुल

राहुल गांधी ने एक्स पर शिकागो यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ बातचीत के दौरान इजरायल पर अपनी राय रखी। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत की विदेश नीति इस बात से तय होनी चाहिए कि भारत के लिए क्या अच्छा है, मैं इजरायल के साथ मजबूत संबंधों का समर्थन करता हूं। हमारे रणनीतिक हित हैं, जिनमें हमारी सशस्त्र सेनाओं के लिए बेहतरीन हथियार खरीदना भी शामिल है। साथ ही, राहुल गांधी ने कहा कि इसका मतलब गाजा के मुद्दे पर चुप रहना नहीं हो सकता।

(शुभजीत रॉय)

कांग्रेस सांसद नेता राहुल गांधी ने रणनीतिक हितों के चलते इजरायल के साथ मजबूत संबंधों का समर्थन किया है। साथ ही, उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल में आम नागरिकों पर किए गए हमलों और उसके बाद गाजा में इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध, दोनों की निंदा की है। कांग्रेस पार्टी के पुराने रुख की तुलना में यह एक नरम रुख है। इसके कारण पार्टी के सहयोगी दलों ने उनकी कड़ी आलोचना की है। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाजा में इजरायल की कार्रवाई को नरसंहार करार दिया था। वहीं, इस हफ्ते शिकागो यूनिवर्सिटी में बातचीत के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणी, असल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार के रुख के काफी करीब है, जो इजरायल और अरब देशों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है।

पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी पर बोला हमला : शनिवार को तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी फिलिस्तीन के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी के दोहरेपन को उजागर करती है। विजयन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उनका यह साम्राज्यवाद-समर्थक रुख नेहरू की उस विरासत को कमजोर करता है, जिनकी विदेश नीति साम्राज्यवाद के खिलाफ और फिलिस्तीनी संघर्ष के समर्थन में मजबूती से खड़ी थी। एक अन्य सहयोगी दल, सीपीआई(एमएल) लिबरेशन ने भारत से इजरायल के संबंध खत्म करने की मांग की है। सीपीआई(एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने



इजरायल को नरसंहार करने वाला शासन करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे देश के साथ कोई रणनीतिक संबंध नहीं हो सकता, जो दुनिया भर की निंदा के बावजूद बच्चों, महिलाओं और आम लोगों के खिलाफ नरसंहार कर रहा हो। इजरायल के साथ मजबूत संबंधों की राहुल गांधी की यह अपील इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि मोदी सरकार की इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी को लेकर आलोचना होती रही है। नेतन्याहू की कठोर नीतियों ने ही गाजा में युद्ध को बढ़ावा दिया है। इस साल 28 फरवरी को, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए, उससे कुछ दिन पहले ही मोदी ने इजरायल का दौरा किया था।

राहुल गांधी ने इजरायल के मुद्दे पर क्या कहा? : राहुल गांधी ने एक्स पर शिकागो यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ बातचीत के दौरान इजरायल पर अपनी राय रखी। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत की विदेश नीति इस बात से तय होनी चाहिए कि भारत के लिए क्या अच्छा है, मैं इजरायल के साथ मजबूत संबंधों का समर्थन करता हूं। हमारे रणनीतिक हित हैं, जिनमें हमारी सशस्त्र सेनाओं के लिए बेहतरीन हथियार खरीदना भी शामिल है। साथ ही, राहुल गांधी ने कहा कि इसका मतलब गाजा के मुद्दे पर चुप रहना नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं 7 अक्टूबर के हमलों और निर्दोष लोगों की हत्या की निंदा करता हूं। मैं इजरायल द्वारा गाजा में की गई कार्रवाई की भी निंदा करता हूं। एक गलत काम दूसरे गलत काम को सही नहीं ठहरा सकता, हम 1.5 अरब लोगों का देश हैं। कोई भी देश हमें वैश्विक मंच पर अपनी सही भूमिका निभाने से नहीं रोक सकता। भारत को उसी बात के लिए खड़ा होना चाहिए, जिसमें वह विश्वास करता है।

राहुल गांधी की बहन और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वाड्रा इजरायल के मामले में पार्टी के भीतर सबसे मुखर आलोचकों में से एक रही हैं। 12 अगस्त 2025 को, उन्होंने इजरायली सरकार पर नरसंहार करने का आरोप लगाया और कहा कि यह शर्मनाक है कि भारत सरकार इस मुद्दे पर चुप है। उन्होंने अपना समर्थन जताने के लिए फिलिस्तीन के प्रतीक वाले थैले का इस्तेमाल किए हैं।

सोनिया गांधी ने अपने लेख में क्या कहा था? : जून में इंडियन एक्सप्रेस में छपे एक लेख में सोनिया गांधी ने लिखा, राष्ट्रीय हित की मांग है कि हम गाजा में इजरायली शासन की नरसंहार वाली कार्रवाइयों और वेस्ट बैंक में लाखों फिलिस्तीनी परिवारों को बेरहमी से बेदखल करने और उनकी संपत्ति छीनने के खिलाफ उठ रही वैश्विक जनभावनाओं पर प्रतिक्रिया दें। मोदी सरकार की लगातार चुप्पी को न तो तार्किक रूप से और न ही नैतिक रूप से सही ठहराया जा सकता है। वाड्रा की टिप्पणियों के जवाब में भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा, शर्मनाक तो आपका धोखा है। इजरायल ने हमास के 25000 आतंकवादियों को मार गिराया है। इंसानी जानों का यह भारी नुकसान हमास की उन घिनौनी चालों की वजह से हुआ है, जिनमें वे आम नागरिकों की आड़ लेते हैं, सुरक्षित निकलने या मदद पाने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोली चलाते हैं और रॉकेट दागते हैं, इजरायल ने गाजा में 20 लाख टन खाना पहुंचाने में मदद की, जबकि हमास उसे जब्त करने की कोशिश करता है, जिससे वहां भुखमरी पैदा होती है। पिछले 50 सालों में गाजा की आबादी 450 प्रतिशत बढ़ी है, वहां कोई नरसंहार नहीं हुआ है। हमास के दिए गए आंकड़ों पर भरोसा न करें। कांग्रेस ने इस मामले में काफी सावधानी बरती है। फिलिस्तीन के प्रति अपने पुराने समर्थन को देखते हुए, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के बाद उसे अपने रुख में बदलाव करना पड़ा। शुरुआत में कांग्रेस ने हमास का नाम लेने और इन हमलों के लिए आतंक शब्द का इस्तेमाल करने से परहेज किया। लेकिन शशि थरूर जैसे पार्टी नेताओं ने इस पर सवाल उठाए। 9 अक्टूबर 2023 को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में उन्होंने मांग की कि इन हमलों की निंदा करने वाला एक प्रस्ताव पारित किया जाए, जिसमें हमास का नाम लिया जाए और आतंक शब्द का इस्तेमाल हो। हालांकि, सीडब्ल्यूसी ने इस सुझाव को नजर अंदाज कर दिया, लेकिन इसके कुछ समय बाद ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इजरायल के लोगों पर हमास के क्रूर हमलों की निंदा की। बाद में, संयुक्त राष्ट्र महासभा में अरब देशों द्वारा लाए गए एक प्रस्ताव पर भारत के मतदान से दूर रहने के बाद, कांग्रेस ने भी वामपंथी दलों के साथ मिलकर मोदी सरकार की आलोचना की। इस प्रस्ताव में इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम और गाजा पट्टी में मानवीय मदद पहुंचाने की मांग की गई थी। शनिवार को राहुल गांधी की आलोचना करते हुए विजयन ने अपनी पोस्ट में लिखा- ऐसे समय में जब गाजा हमारे दौर के सबसे विनाशकारी नरसंहारों में से एक का गवाह बन रहा है, जहां हजारों मासूम बच्चे भी मारे जा रहे हैं, राहुल गांधी खुले तौर पर इजरायल के साथ मजबूत संबंधों और उस देश से हथियार खरीदने की वकालत कर रहे हैं जो इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। इस भीषण त्रासदी के बीच कूटनीतिक संतुलन बनाने की उनकी कोशिश को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता, जब मानवता ही दांव पर लगी हो, तो कोई संतुलन नहीं बनाया जा सकता।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)



योजनाओ की समीक्षा, जन चौपाल लगाकर ग्रामीणो को किया जागरूक

गाजीपुर। पिछड़ा वर्ग आयोग सत्येन्द्र बारी ने गुरूवार कलेक्ट्रेट सभागार राइफल क्लब पहुंचकर प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार दिन रात काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे, यही सरकार का उद्देश्य है। किसी भी व्यक्ति को न्याय व सरकारी सुविधाओं के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। इसके लिए कौन पात्र है, कौन अपात्र है, इसके बारे में भी चौपाल के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार तहसील जमानिया के ग्राम सभा टिसौरा में पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश सरकार के जन चौपाल में क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण का कार्य किया। इस जन चौपाल में क्षेत्रिय समस्याओं सम्बंधित सभी विभागों के कर्मचारी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष जितेंद्र नाथ राय व कार्यक्रम का संचालन विनय कुमार कुशवाहा ने किया। किसान रामजी राय के डेरा पर जन चौपाल का आयोजन किया गया है। जहाँ बड़ी संख्या में पीड़ित लोग अपनी समस्याएं बताएंगे और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर ही सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की, पूर्व दशम छात्रवृत्ति अंतर्गत 4476 दशमोत्तर में 3685 बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है तथा शेष को देने की प्रक्रिया चल रही है। शादी अनुदान में 2218 के लक्ष्य के सापेक्ष 1835 को भुगतान किया जा चुका है ओ लेवल तथा ट्रिपल सी के अंतर्गत 752 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ वार्ता करते हुए उनकी समस्याओं को भी सुना तथा समाज अधिकारियों को इसके निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सीओ अनिल कुमार, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, गिरिजा शंकर सरोज सहित सम्मानित मीडिया प्रतिनिधि और व्यापार मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।



जज ने संविधान दिवस के रूप में मनाया भीमराव अम्बेडकर जयन्ती

गाजीपुर। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में जयप्रकाश यादव, जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में डा. भीम राव अम्बेडकर को माल्यार्पण कर संविधान दिवस का शुभारम्भ किया गया एवं सभागार में उपस्थित समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को प्रस्तावना का पाठ कराया गया। जनपद न्यायाधीश के उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को भारतीय संविधान में निष्ठा रखने एवं संविधान का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर संजय हरी शुक्ला, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण गाजीपुर शैलोज चन्द्रा, प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय, शक्ति सिंह प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष कक्ष संख्या एक नोडल अधिकारी लोक अदालत, अभिमन्यू सिंह स्पेशल जज एससी एसटी एक्ट गाजीपुर, संजय के लाल, विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट गाजीपुर, बलराम दास, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर, राजेन्द्र विक्रम सिंह अध्यक्ष, सिविल बार एसोसिएषन गाजीपुर व अन्य न्यायिक अधिकारीगण, विद्वान अधिवक्तागण, कर्मचारीगण व सुरक्षाकर्मी सभागार में उपस्थित हुए। बलराम दास, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि संविधान दिवस मनाने का मूल उद्देश्य सभी को समानता एवं बराबरी का अधिकार देना एवं संविधान की सर्वोच्चता है। बाबा साहब डा. भीम राव अम्बेडकर का हमारे संविधान निर्माण में बहुत ही योगदान रहा है और वो प्रारूप समिति के अध्यक्ष भी रहें है। संविधान किसी भी देश के सिद्धांतो का संग्रह होता है, जिसके आधार पर उस देश का शासन संचालित किया जाता है। साथ ही साथ अवगत कराना है कि उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र निर्देषानुसार संविधान दिवस 26 नवम्बर, 2026 के अवसर पर विशेष अभियान एक स्वर, एक संविधान प्रस्तावना पढ़ने एक स्वर, एक संविधान व क्विज प्रतियोगिता पुरस्कार का आयोजन लूदर्स कान्वेंट बालिका इण्टर कालेज, तुलसी सागर, गाजीपुर में प्रात: 9 बजे आयोजित किया गया। जिसमें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष कक्ष संख्या एक, नोडल अधिकारी, लोक अदालत गाजीपुर, बलराम दास, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजीपुर, प्रकाश सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक गाजीपुर व प्रधानाचार्य, शिक्षकगण व छात्रायें उपस्थित थी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष कक्ष संख्या नोडल अधिकारी, लोक अदालत गाजीपुर के छात्राओं को संविधान दिवस की बधाई देते हुए बच्चों को प्रोत्साहित किया एवं संविधान की खूबसूरती को संक्षिप्त रूप से छात्राओं को अवगत कराया।



जिले में मनाया गया संविधान दिवस, संविधान की उद्देशिका का किया गया वाचन

बलौदाबाजार। जिले मे 26 नवम्बर को संबिधान दिवस मनाया गया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में महात्मा गांधी, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर, भारत माता एवं शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके पश्चात संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया तथा संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली गई। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के कारण ही हम लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय के साथ जीवन जी रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संविधान के दायरे में रहकर अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। ज्ञातव्य है कि प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जाता है। भारत का संविधान इसी दिन वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर वर्ष 2015 में भारत सरकार ने पहली बार देशभर में संविधान दिवस मनाने की शुरुआत की। तब से प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अवध राम टंडन, निशा नेताम मड़ावी,सीमा ठाकुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी -कर्मचारी उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर दुर्ग जिले के न्यायालयों एवं विधि महाविद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

न्यायाधीशगण, युवा अधिवक्ताओं, विधि विद्यार्थियों एवं पैरालीगल वॉलेंटियर्स ने उत्साहपूर्वक लिया सहभागिता; संविधान के मूल आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

दुर्ग। भारतीय संविधान के अंगीकरण की स्मृति में आज संविधान दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के तत्वावधान में जिले के विभिन्न न्यायालयों, विधि महाविद्यालयों एवं अन्य स्थानों पर संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन तथा विधिक जनजागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के मूल आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग श्री के0 विनोद कुजूर तथा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर की विशेष उपस्थिति में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीशगण एवं युवा अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विशेष रूप से युवा अधिवक्ताओं की सक्रिय भागीदारी ने संविधान के प्रति उनकी आस्था, विधि के शासन के प्रति प्रतिबद्धता तथा न्यायिक व्यवस्था के मूल्यों के प्रति सम्मान को प्रदर्शित किया। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा लकड़ा की विशेष उपस्थिति में भी भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा संविधान में निहित मूल आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इसी क्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री भूपेश कुमार बसंत के न्यायालय सहित अन्य न्यायालयों में भी संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा संविधान में निहित मूल आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इसके साथ ही किशोर न्याय बोर्ड में भी श्रीमती कामिनी जायसवाल की विशेष उपस्थिति में भी संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा संविधान में निहित मूल आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। जिले के भिलाई-3, पाटन एवं धमधा स्थित न्यायालयों में भी न्यायाधीशगण, अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन सदस्यों की सहभागिता से संविधान दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों के माध्यम से न्यायिक संस्थाओं में संविधान के मूल सिद्धांतों एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया।



विधि विद्यार्थियों के बीच संवैधानिक मूल्यों का संदेश- संविधान दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता को व्यापक स्वरूप प्रदान करते हुए सुराना लॉ कॉलेज एवं कल्याण लॉ कॉलेज में भी न्यायाधीशगण द्वारा विधिक जनजागरूकता कार्यक्रमों में सहभागिता की गई। इन कार्यक्रमों में विधि विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की महत्ता, प्रस्तावना में उल्लिखित आदर्शों तथा न्याय व्यवस्था में संविधान की सर्वोच्चता के महत्व से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि विधि का अध्ययन केवल कानूनी प्रावधानों का ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता, न्यायप्रियता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को अपने आचरण में अपनाना भी है।

पैरालीगल वॉलेंटियर्स द्वारा जनसामान्य तक पहुंचा संविधान का संदेश- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के पैरालीगल वॉलेंटियर्स द्वारा भी जिले के विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों को संविधान के मूल आदर्शों, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा नि:शुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी दी गई। इस पहल के माध्यम से संविधान दिवस के संदेश को न्यायालयों तक सीमित न रखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

संविधान के आदर्शों को व्यवहार में अपनाने का आह्वान- संविधान दिवस के इन आयोजनों का उद्देश्य केवल संविधान की प्रस्तावना का औपचारिक वाचन करना नहीं, बल्कि उसके मूल भाव को न्यायिक संस्थाओं, विधि समुदाय, भावी विधि विशेषज्ञों एवं आम नागरिकों के दैनिक जीवन में स्थापित करने का संदेश देना रहा। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के आदर्श एक सशक्त, समावेशी एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का आधार हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित इन विविध कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की गरिमा, अधिकारों, कर्तव्यों एवं सामाजिक सद्भाव का आधार है। संविधान के मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं उनका पालन ही एक न्यायपूर्ण और संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक कदम है।

जन प्रतिनिधि, वकील, व्यापारी, समाज सेवी, पत्रकार साथी एवं गणमान्य नागरिक हुए

सारंगढ। श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला स्तरीय दीवाली मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। जहाँ श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय दीवाली मिलन समारोह में जिले के जन प्रतिनिधि, वकील, व्यापारी, समाज सेवी, पत्रकार साथी एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

इस अवसर पर जिले के विधायक, जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष विजय तिवारी, जनपद अध्यक्ष, नपं अध्यक्ष, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, जिला भाजपा महामंत्री, व्यापारी वर्ग, समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी और पत्रकार संघ को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय ने कहा - समारोह को संबोधित करते हुए जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय ने श्रमजीवी पत्रकार संघ को जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने पर बधाई दी। पांडे ने कहा - आप कहो, वही मैं लिखूं, ऐसा हो नहीं सकता, सच को सच ना लिखूं, ऐसा हो नहीं सकता पांडे ने कहा कि मीडिया जगत और पत्रकार की भूमिका देश, समाज और हर क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण रही है और रहेगी। चाहे आंदोलन का विषय हो, उत्सव का विषय हो या विकास का विषय हो, हर विषय में पत्रकार अपनी बात रखकर लोगों को जागरूक करते हैं और देश के विकास एवं प्रगति में अपना योगदान देते हैं। जितनी जिम्मेदारी से शा. सेवक काम करते हैं।





श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला स्तरीय दीवाली मिलन समारोह सम्पन्न

कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश, डीएमएफ का टोल-फ्री नंबर 1800-233-1750 जारी



कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विकसित भारत जी राम जी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा खनिज न्यास मद से स्वीकृत निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने, पुराने कार्यों को पूर्ण करने तथा नए कार्यों में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा वीबी जी राम जी के तहत सभी कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति अनिवार्य रूप से सिक्योर पोर्टल के माध्यम से ही जारी की जाए। कलेक्टर दुदावत ने विकसित भारत जी राम जी के अंतर्गत बालिका शौचालय, सैंड फिल्टर बोरवेल रिचार्ज, मुक्तिधाम, पंचायत भवन एवं खाद्यान्न भंडार केंद्र जैसे महत्वपूर्ण ग्रामीण अधोसंरचना कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी जनपद पंचायतों के सीईओ एवं कार्यक्रम अधिकारियों को आगामी 10 दिनों के भीतर कार्यों के प्राक्कलन तैयार कर जिला कार्यालय भेजने के निर्देश दिए।

धान खरीदी के लिए फसल संबंधी दावों का होगा भौतिक सत्यापन

कोरबा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी के लिए दर्ज फसल संबंधी दावों और आपत्तियों का सत्यापन किया जाएगा। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदारों को खसरा तथा फसल प्रविष्टि से जुड़े प्रकरणों का परीक्षण कर समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि पात्र किसानों को धान विक्रय में कठिनाई न हो और अभिलेखों में वास्तविक फसल की स्थिति दर्ज रहे। जिन किसानों के खसरे फार्मर रजिस्ट्री में दर्ज हैं, लेकिन खसरा मंडल में प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं, उनके खसरों की मैपिंग के लिए संबंधित समिति की आईडी में 'एग्रीस्टेक से धान खरीदी हेतु भूमि विवरण सिंक करें' विकल्प उपलब्ध कराया गया है। कलेक्टर ने एसडीएम और तहसीलदारों को ऐसे प्रकरणों की निगरानी कर संबंधित समितियों के माध्यम से निराकरण कराने के निर्देश दिए हैं। खसरा



मैपिंग की समयसीमा धान खरीदी अवधि के अनुरूप 15 जनवरी 2027 तक है। जिन खसरों में डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से दूसरी फसल दर्ज है, जबकि किसान ने धान बोने का दावा किया है, उनका तहसीलदार के माध्यम से विस्तृत भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। ऐसे खसरे, जो DCS और पटवारी सत्यापन ऐप दोनों में फसल प्रविष्टि के लिए उपलब्ध नहीं होने के कारण सत्यापन से छूट गए हैं, उनका भी परीक्षण किया जाएगा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि सत्यापन के दौरान राजस्व अभिलेखों का मिलान करने के साथ मौके पर वास्तविक फसल और उसके क्षेत्रऊल की जाँच की जाए।

फसल की स्थिति प्रमाणित करने

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का समय- सीमा मे निराकरण नहीं करने पर तहसीलदार सहित 3 अधिकारियों को नोटिस

बलौदाबाजार। सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 मे प्राप्त आवेदनों का समय -सीमा मे एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण नहीं करने की स्थिति को जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता से लेते हुए एक तहसीलदार सहित 3 अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समीक्षा बैठक मे सम्बंधित अधिकारी के आईडी में लंबित शिकायतों का सम्यक और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिये थे। समय पर और गुणवत्तापूर्ण निराकरण नहीं करने पर तहसीलदार सिमगा, पीएचई के कार्यपालन अभियंता एवं जनपद सीईओ सिमगा को नोटिस जारी कर तीन दिन मे जवाब मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बिष्णु देव साय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं शिकायत के त्वरित निवारण हेतु सीएम हेल्पलाइन पोर्टल का संचालन किया जा रहा है।

शिव महापुराण कथा श्रवण करने पहुची भाजपा प्रदेश मंत्री विद्या सिदार

सक्ती। सक्ती ग्राम पंचायत सकरेली कला में सार्वजनिक शिव महापुराण कथा के छठवें दिन कथा श्रवण करने भाजपा प्रदेश मंत्री विद्या सिदार एवं पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर पहुचे जहां उन्होने व्यासपीठ की पूजा अर्चना कर कथा वाचक का शाल श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर प्रदेश भाजपा मंत्री विद्या सिदार ने कहा भगवान शिव की कथा श्रवण करने से मनुष्य को किसी भी प्रकार का संकट नहीं होता और वह मृत्यु पर भी विजय प्राप्त करता है संसार में शिव शांति जहां शिव का वास होता है वहां सुख शांति और पूरा परिवार खुशहाल होता है हर व्यक्ति को भगवान शिव की आराधना करना चाहिए जब भी समय मिले ऐसे कथा में शामिल होकर कथा श्रवण कर अपने भाग्य को सवारें राष्ट्रीय कथावाचक नारायण दास ने छठवें दिन भक्तगणों को रुद्राक्ष की उत्पत्ति, गणेश कार्तिकेय विवाह,



मल्लिका अर्जुन कथा प्रसंग , में बताया रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के नेत्रों से गिरे अश्रुबिंदुओं से हुई है और इसे धारण करने से पापों का नाश व मोक्ष की प्राप्ती होती है कथावाचक नारायण दास ने बताया भगवान शिव ने दीर्घकाल तक तपस्या करने के बाद जब नेत्र खोले, तो उनके नेत्रों से अश्रु पृथ्वी पर गिरे अश्रुबिंदुओं से रुद्राक्ष के वृक्ष उत्पन्न हुए भगवान शिव ने माता पार्वती को रुद्राक्ष की उत्पत्ति एवं धारण करने से मिलने वाले लाभ को लेकर बताया कथा में नारायण दास ने बताया विवाह के लिए शिव-पार्वती ने शर्त रखी कि जो पृथ्वी की परिक्रमा करके सबसे पहले लौटेगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय अपने वाहन मयूर पर सवार होकर पृथ्वी की परिक्रमा के लिए निकल पड़े। गणेश जी ने बुद्धि से काम लिया और शिव-पार्वती की परिक्रमा कर गणेश जी ने कहा कि संतान के लिए माता-पिता ही संपूर्ण संसार और त्रिलोक के समान हैं। शिव-पार्वती उनकी इस बुद्धि और भक्ति से प्रसन्न हुए और गणेश जी का विवाह रिद्धि सिद्धि से संपन्न हुआ अतिथी सभी श्रद्धालु गणों के द्वारा शिवजी की महा आरती भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य का लाभ लिया इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालुओं उपस्थित थे।

देवसागर सहित मंदिरों में उमड़ी भीड़

कार्तिक पूर्णिमा पर महानदी सलिहाघाट भटगांव में उमड़ी आस्था, श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

- **डैम और पिकनिक स्पॉट पर दिनभर रही रौनक, दीपों से सजाया घर एवं रात को आतिशबाजी कर मनाया छोटे दीपावली**



भटगांव(बिलाईगढ़)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर बुधवार को पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। सुबह भोर से ही महानदी के सलिहाघाट भटगांव में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। देखते ही देखते घाट पर सैकड़ो की भीड़ उमड़ पड़ी। भटगांव, सलिहाघाट, देवसागर, बोइरडीह, चन्दलीडीह, रिकोटर हाथी पथरा, कोसीर, बिलाईगढ़, सरसींवां और आसपास के दर्जनों गांवों से लोग अपने परिवार के साथ पहुंचे। श्रद्धालुओं ने नदी में आस्था की डुबकी लगाकर विधिवत पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने नदी में स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और बच्चों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। बुजुर्गों ने भी ठंड के बावजूद पूरे श्रद्धा भाव से स्नान किया। कई लोगों ने ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा दी और जरूरतमंदों को अन्न-दान एवं अंशदान किया। सुबह से ही घाट पर हर-हर महादेव, जय गंगा मैया के जयकारे गूंजते रहे। घाट पर लोगों की सुविधा के लिए गांव के युवाओं ने भी व्यवस्था संभाली।

डैम और पिकनिक स्पॉट पर दिनभर रही रौनक - स्नान-दान के बाद लोगों ने पिकनिक का भी खूब आनंद लिया। चन्दलीडीह डैम, बोइरडीह डैम, महानदी के किनारे, रिकोटर हाथी पथरा में दिनभर परिवार और दोस्तों की चहल-पहल रही। कुछ लोग घर से खाना बनाकर लाए थे और एक साथ बैठकर पिकनिक मनाई। बच्चों ने डैम किनारे खेल-कूद कर खूब मस्ती की। युवाओं ने भी फोटो-वीडियो बनाकर इस पल को यादगार बनाया।

देवसागर सहित मंदिरों में उमड़ी भीड़ -वहीं देवसागर सहित क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े मंदिरों में सुबह से ही दर्शन करने वालों की लंबी कतार लगी रही। लोगों ने हिंगलाज माता, काली माता, गायत्री माता, भगवान शिव, राधा-कृष्ण और हनुमान जी के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया। मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ। दिनभर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और लोग शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाकर अपने-अपने घर लौटे. दीपों से सजाया घर एवं रात को आतिशबाजी कर मनाया छोटे दीपावली -वहीं इस दिन कार्तिक पूर्णिमा को छोटे दीपावली के रूप मे मनाया गया जहाँ घर आँगन को दीपो से सजाया गया और रात को फटाके फोड़कर अतिशबाजी किया गया.

देवसागर सहित मंदिरों में उमड़ी भीड़

वहीं देवसागर सहित क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े मंदिरों में सुबह से ही दर्शन करने वालों की लंबी कतार लगी रही। लोगों ने हिंगलाज माता, काली माता, गायत्री माता, भगवान शिव, राधा-कृष्ण और हनुमान जी के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया। मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ। दिनभर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और लोग शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाकर अपने-अपने घर लौटे. दीपों से सजाया घर एवं रात को आतिशबाजी कर मनाया छोटे दीपावली -वहीं इस दिन कार्तिक पूर्णिमा को छोटे दीपावली के रूप मे मनाया गया जहाँ घर आँगन को दीपो से सजाया गया और रात को फटाके फोड़कर अतिशबाजी किया गया.

संक्षिप्त समाचार

संविधान दिवस पर प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, संवैधानिक मूल्यों के पालन की ली शपथ



बिलासपुर। संविधान दिवस के अवसर पर आज लखीराम ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में छात्रावासी छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल थे। नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर करियर निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने भविष्य के प्रति सजग रहने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भाषण एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री संजय चंदेल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर निगम के उपायुक्त श्री प्रवेश कश्यप, आदिवासी विकास की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती शुभ्रा मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, छात्रावास अधीक्षक एवं अधीक्षिकाएं उपस्थित थीं।

संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर जनसेवा का संकल्प जिला कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों में मनाया गया संविधान दिवस



बिलासपुर। संविधान दिवस के अवसर पर आज जिला कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने संविधान में निहित आदर्शों और मूल्यों के अनुरूप शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने तथा जनता के काम संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का स्मरण किया गया। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों को कार्य व्यवहार में अपनाने पर बल दिया गया।अधिकारी-कर्मचारियों ने नागरिकों के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार रखते हुए निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ जनसेवा करने का संकल्प लिया। इसी प्रकार संभागायुक्त - कार्यालय,एसएसपी कार्यालय, जिला पंचायत, नगर निगम सहित जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में संविधान दिवस मनाया गया। अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आईटीआई कोनी में प्लेसमेंट कैंप 30 नवम्बर को होगा

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी के नये भवन में 30 नवम्बर 2026 को सवेरे 10 बजे से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में महिंद्रा यूनिक पावर सॉल्यूशन की ओर से मैकेनिक डीजल एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा फ्लि ग्रुप घुटकू की ओर से विभिन्न व्यवसायों में एवं सोलर एनर्जी के लिए विद्युतकार व्यवसाय से पद भरे जायेंगे। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ सम्मिलित हो सकते है। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु संस्था कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

कलेक्टर ने किया दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र का उद्घाटन

दुग्ध उत्पादन से किसानों की समृद्धि को मिलेगी नई दिशा

- पंडरा पथरा में स्थापित 2 हजार लीटर क्षमता के संयंत्र से 20 गांवों के किसानों को मिलेगा लाभ
- राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर किसान संगोष्ठी, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए समन्वित कार्ययोजना बनाने पर कलेक्टर ने दिया जोर



बिलासपुर। दुग्ध उत्पादन को किसानों की नियमित आमदनी का मजबूत जरिया बनाने की दिशा में जिले में महत्वपूर्ण पहल की गई है। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर आज कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बेलगहना क्षेत्र के ग्राम पंडरा पथरा में 2 हजार लीटर क्षमता के दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र (बल्क मिल्क कूलर) का फीता काटकर उद्घाटन किया। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) एवं छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ द्वारा डेयरी समग्र विकास योजना के तहत यह संयंत्र स्थापित किया गया है। इस अवसर पर देश में श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित किसान संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि किसानों की समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में दुग्ध शीतलीकरण संयंत्र की स्थापना किसानों की आर्थिक उन्नति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सही दिशा में मेहनत और बेहतर कार्ययोजना से इस क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की व्यापक संभावनाओं को साकार किया जा सकता है। कलेक्टर ने कहा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं के स्वास्थ्य, पोषण, गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती चारे की उपलब्धता से लेकर दूध के सुरक्षित संग्रहण और समय पर प्रसंस्करण तक की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने किसानों, विभागीय अधिकारियों एवं दुग्ध महासंघ के प्रतिनिधियों को मिलकर समन्वित कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं के माध्यम से भी किसानों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर ने दुग्ध महासंघ के अधिकारियों से किसानों को निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन देने और दुग्ध व्यवसाय से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने की अपेक्षा की।कलेक्टर ने संविधान दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे संविधान ने प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान किए हैं। साधारण ग्रामीण परिवेश से आने वाला व्यक्ति भी अपनी मेहनत और लगन से देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने किसानों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया। पंडरा पथरा दुग्ध संग्रहण केंद्र से वर्तमान में 20 गांवों के लगभग 100 किसान जुड़े हुए हैं। केंद्र में सुबह एवं शाम 200-200 लीटर सहित प्रतिदिन लगभग 400 लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। आगामी चार से पांच महीनों में प्रतिदिन 2 हजार लीटर तक दूध संग्रहण होने की संभावना है। किसानों को प्रत्येक 10 दिन में दूध की राशि का भुगतान किया जा रहा है।

कस्टम मिलिंग में लापरवाही पर सख्तीः दो राइस मिल सील, 20 मिलर्स को नोटिस दी



बिलासपुर। कस्टम मिलिंग के तहत उठाए गए धान के एवज में चावल जमा करने में लापरवाही और भौतिक सत्यापन में धान की कमी पाए जाने पर जिले की दो राइस मिलों को सील किया गया है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीमों ने कोटा स्थित राजमुनि एग्रो राइस मिल और बिलासपुर के बहतराई स्थित पार्वती राइस मिल में जांच की। दोनों मिलों में कुल 66 हजार 66.4 क्विंटल धान कम पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। चावल जमा करने में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने वाले 20 अन्य राइस मिलर्स को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समितियों एवं संग्रहण केंद्रों से उठाए गए धान के विरुद्ध मिलर्स द्वारा नागरिक आपूर्ति निगम और भारतीय खाद्य निगम में चावल जमा किया जाना है। इस कार्य की समीक्षा के क्रम में खाद्य विभाग की टीम ने 26 नवंबर को कोटा विकासखंड में संचालित राजमुनि एग्रो राइस मिल का निरीक्षण किया। सहायक खाद्य अधिकारी श्री अजय कुमार मौर्य तथा खाद्य निरीक्षक श्री आशीष दीवान, सुश्री ललिता शर्मा एवं सुश्री वसुधा राजपूत ने मिल परिसर में उपलब्ध धान का भौतिक सत्यापन किया। जांच में 36 हजार 916.4 क्विंटल धान कम पाया गया। इसी प्रकार नगर निगम बिलासपुर क्षेत्र के बहतराई स्थित पार्वती राइस मिल की जांच खाद्य अधिकारी श्री राजीव लोचन तिवारी तथा खाद्य निरीक्षक श्री मंगेश कांत एवं सुश्री वर्षा सिंह ने की। भौतिक सत्यापन में इस मिल में 29 हजार 150 क्विंटल धान कम मिला।

निर्वाचन साक्षरता प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थी सम्मानित हुए

- संविधान दिवस पर निबंध और प्रश्नोत्तरी के 20 फाइनलिस्ट को मिले प्रमाण पत्र



बिलासपुर। संविधान दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय में निर्वाचन साक्षरता क्लबों के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी ने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 10-10 विद्यार्थियों ने फाइनलिस्ट के रूप में स्थान प्राप्त किया। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार स्कूलों एवं महाविद्यालयों में गठित निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से 2 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक तीन स्तरों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों में निर्वाचन प्रक्रिया की समझ विकसित करना तथा लोकतांत्रिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।उल्लेखनीय है कि जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में श्वेता अनंत, दीप्ति अनंत एवं प्रियांशी कोरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उर्वशी पाण्डेय द्वितीय रहीं। आयान निगम, चिरंजीवी, गौरव राठौर एवं आयुषी यादव ने तृतीय तथा निशा सारथी एवं अवधेश प्रताप साहू ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में अंजली कश्यप, आरव राव, आंचल राव, गीता यादव, पिंकी साहू एवं खुशबू पात्रे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राज्य स्तरीय रोल प्ले प्रतियोगिता में पीएम श्री सेजेस कन्या शाला सरकंडा की छात्राओं ने मारी बाजी, राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ चयन



बिलासपुर। एनसीईआरटी, नई दिल्ली के जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एससीईआरटी, रायपुर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय रोल प्ले प्रतियोगिता में पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सरकंडा की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ विद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। प्रतियोगिता में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राएं पावनी महंत, कृतिका सोनी, दीपांजलि जायसवाल, काजल साहू एवं अनुष्का यादव ने प्रभावशाली अभिनय, सशक्त संवाद प्रस्तुति एवं उत्कृष्ट सामूहिक प्रदर्शन के माध्यम से निर्णायकों को प्रभावित किया और प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय सहित बिलासपुर जिले को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि के पीछे डॉ. प्रवीण मिश्रा का लेखन एवं निर्देशन तथा मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती वंदना तांबे का विशेष योगदान रहा। उनके कुशल मार्गदर्शन, सतत अभ्यास एवं प्रभावी प्रशिक्षण ने छात्राओं की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. गायत्री तिवारी के कुशल नेतृत्व एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन में छात्राओं ने विकासखंड, जिला, जोन एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में लगातार प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अपनी सफलता का परचम लहराया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक श्री अश्वनी भारद्वाज, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संदीप पांडेय एवं सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्री आनंद पांडेय ने छात्राओं, प्राचार्य एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने छात्राओं की इस सफलता को विद्यालय एवं जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। छात्राओं की इस शानदार सफलता पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, बिलासपुर जिले एवं छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई है। यह सफलता छात्राओं की प्रतिभा, शिक्षकों के समर्पण, शिक्षा विभाग के प्रोत्साहन और प्राचार्य के कुशल नेतृत्व का प्रेरणादायी उदाहरण है।

साधना और अनुशासन से नशे पर विजय संभव पद्मश्री पं. रामलाल बरेठ



- सीएमडी महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा संवाद', नशा मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान

बिलासपुर। संविधान दिवस के अवसर पर सीएमडी महाविद्यालय में आयोजित 'विकसित भारत युवा संवाद' में युवाओं को संवैधानिक मूल्यों से जुड़कर नशा मुक्त और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में मेरा युवा भारत (रूङ्घ क्रद्धड्डह्म्ड्डह्ल), बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की थीम 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' रही। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि पद्मश्री पंडित रामलाल बरेठ ने कहा कि कला एक साधना है। साधना, एकाग्रता और आत्म-अनुशासन से नशे जैसी सामाजिक बुराई पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान की सराहना करते हुए युवाओं से इससे जुड़ने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त युवा ही विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। मेरा युवा भारत, बिलासपुर के उप निदेशक श्री नितिन कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि 'विकसित भारत युवा संवाद' देश के सभी 786 जिलों में आयोजित किया जा रहा है। संविधान दिवस संस्करण का उद्देश्य युवाओं को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ना और विकसित भारतञ्च2047 के लक्ष्य के लिए नशा मुक्त समाज के निर्माण में उनकी सहभागिता बढ़ाना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन अपनाने और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में यूथ आइकॉन सुश्री प्रशंसा पांडेय ने प्रस्तुति के माध्यम से नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। महाविद्यालय के चेयरमैन श्री संजय दुबे ने युवाओं से सकारात्मक सामाजिक बदलाव में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।इस अवसर पर श्री कमलेश शुक्ला, श्री मोहनलाल सोनी, राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित श्री लोकेश ओगरे, राज्य एनएसएस पुरस्कार प्राप्त सुश्री जिया वारे एवं स्पोर्ट्स आइकॉन श्री नोमेश चंद्राकर उपस्थित रहे।

न्यायिक एवं विधिक सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने की पहल मुख्य न्यायाधिपति श्री न्यायमूर्ति कृष्न राम महापात्र ने तीन मोबाइल ई-सेवा वैन को दिखाई हरी झंडी....



बिलासपुर। संविधान दिवस के अवसर पर माननीय श्री न्यायमूर्ति कृष्न राम महापात्र, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तीन मोबाइल ई-सेवा वैन का शुभारंभ फीता काटकर किया गया। उनके द्वारा मोबाईल ई-सेवा वैन में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया, तदुपरांत वाहन को हरी झंडी दिखाकर चयनित जिलों के लिए रवाना किया गया। यह पहल न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ बनाने तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रो ं तक प्रौद्योगिकी आधारित विधिक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान् मे ं इन तीनों मोबाइल ई-सेवा वैन को अंबिकापुर, रायपुर एवं जगदलपुर के लिए रवाना किया गया है। इनका उद्देश्य न्यायिक एवं विधिक सेवाओ ं को आम नागरिकों के और अधिक निकट पहुंचाना है, विशेषकर पक्षकारों, ग्रामीण एव ं जनजातीय समुदायों, वंचित वर्गों तथा भौगोलिक रूप से दुर्गम एवं सुविधाओं से वंचित क्षेत्रो ं में निवासरत नागरिकों तक इन सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। मोबाइल ई-सेवा वैन की यह पहल माननीय उच्चतम न्यायालय की ई-कोर्ट्स परियोजना के अंतर्गत संचालित एक संयुक्त प्रौद्योगिकी एवं न्यायिक जनसंपर्क अभियान है। इसका क्रियान्वयन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालयों, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के बीच संस्थागत समन्वय तथा भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य तकनीकी असमानता को कम करना तथा प्रौद्योगिकी आधारित विधिक सेवाओ ं को सीधे नागरिकों के द्वार तक पहुंचाकर विधिक सेवाओं की पहुंच को प्रोत्साहित करना है। इसे एक ऐसे चलित सेवा वितरण मंच के रूप मे ं परिकल्पित किया गया है, जिसमे ं डिजिटल विधिक सुविधाएं, विधिक सहायता, विवाद समाधान तंत्र तथा विधिक जागरूकता संबंधी गतिविधियां एकीकृत होंगी। मोबाइल ई-सेवा वैन को मोबाइल सुविधा एवं सेवा वितरण केंद्रों के रूप मे ं विकसित किया गया है, जो नागरिको ं को विभिन्न प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इनके माध्यम से ई-कोर्ट्स की डिजिटल सेवाओं को दूरस्थ, ग्रामीण, जनजातीय एवं सुविधाओ ं से वंचित भौगोलिक क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे नागरिक आवश्यक न्यायिक जानकारी एवं सेवाओ ं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। ये वैन मोबाइल लोक अदालतों तथा प्री-लिटिगेषन मामलों के समझौता एवं निस्तारण के लिए विशेष अभियान आयोजित करने में भी सहायक होंगी। इससे आपसी सहमति के आधार पर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा मिलेगा तथा नियमित न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ कम करने में सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त, मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान तथा अन्य उपयुक्त मामलों के निस्तारण के लिए विधिक सेवा तंत्र के माध्यम से विशेष अभियान भी संचालित किए जाएंगे।ये वैन मोबाइल डिजिटल सेवा वितरण केंद्रों के रूप में न्यायालयीन प्रकरणो ं की स्थिति, वाद सूची (कॉज लिस्ट), ई-फाइलिंग तथा अन्य प्रासंगिक ई-कोर्ट्स सेवाओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान करेंगी। इससे पक्षकरों को न्यायालय परिसर तक यात्रा किए बिना ही आवश्यक न्यायिक सुविधाएं प्राप्त हो सकेगी। ये वैन विधिक जागरूकता अभियान संचालित करने तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए भी मंच के रूप में कार्य करेंगी।

दूसरे बच्चे का स्वागत करने को तैयार है विन्नी अरोड़ा

शादी के 10 साल बाद टीवी एक्ट्रेस विन्नी अरोड़ा ने अपने दूसरे बच्चे की प्रेग्नेंसी का ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर विन्नी ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए इस खुशखबरी को फैंस के साथ साझा किया। काफी समय से उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अफवाहें चल रही थीं, जिन पर अब विन्नी के पोस्ट ने विराम लगा दिया है।



इस गुड न्यूज से कपल के फैंस और टीवी सेलेब्स बेहद खुश हैं। विन्नी ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह हरे रंग के गाउन में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। कैमरे के सामने पोज देते हुए वह बेहद खुश और उत्साहित नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, एक छोटा सा चमत्कार, फिर से। इस अनाउंसमेंट के बाद टीवी इंडस्ट्री के कई सितारों ने कमेंट सेक्शन में कपल को बधाई दी। वाहबिज दोराबजी ने सरप्राइज जताते हुए शुभकामनाएं दीं, जबकि फलक नाज ने लिखा कि इस बार बेटी होगी। धीरज और विन्नी पहले से ही एक बेटे जैन के पेरेंट्स हैं, जिसका जन्म 10 अगस्त 2022 को हुआ था। अब उनके घर में एक और सदस्य के आने से परिवार में खुशी का माहौल है। हाल ही में कपल ने साथ होने के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया था और अमृतसर के गोल्डन टेंपल की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। दोनों की पहली मुलाकात साल 2009 में टीवी शो मात पिताह के चरणों में स्वर्ग के सेट पर हुई थी। इस मुलाकात के बाद दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा और लगभग सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने 16 नवंबर 2016 को दिल्ली में धूमधाम से शादी की थी। उनकी शादी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित शादियों में से एक थी।

अमित शाह से मिले 'रामायण' के मेकर्स

रणबीर कपूर और साईं पल्लवी भी रहे मौजूद

नितेश तिवारी द्वारा डायरेक्टेड और नमित मल्होत्रा और वॉकिंग स्टार यश द्वारा संग प्रोड्यूस की गई फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' दुनिया भर में अपनी रिलीज़ के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दम दिखा रही है। रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और रवि दुबे जैसी टैलेंटेड कास्ट से सजी यह फिल्म, अपनी रिलीज़ के बाद से ज़बरदस्त सफलता का स्वाद चख रही है।

फिल्म देश से लेकर विदेशों में हाउस फुल शोज देते हुए रिकॉर्ड्स तोड़े है और इस तरह से यह अब तक की हाईएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन फिल्म बनकर सामने आई है। यह फिल्म हर तरफ परिवारों और फिल्म लवर्स द्वारा अपने शानदार पैमाने, भावनात्मक गहराई और ए. आर. रहमान और हंस ज़िमर द्वारा दिए गए कभी न भूलाए जाने वाले म्यूज़िक के लिए खूब सराहना पा रही है। भारत के यूनियन होम मिनिस्टर अमित शाह ने नमित मल्होत्रा और रामायण की मेकिंग के पीछे मौजूद टीम से भारतीय सिनेमा और भारत की सांस्कृतिक विरासत को एक खास पहचान मिलने पर, मुलाकात की और साथ ही दुनिया भर में फिल्म की शानदार परफॉर्मेंस के लिए मेकर्स को बधाई भी दी। इस मुलाकात के



मौके पर फिल्म प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा, डायरेक्टर नितेश तिवारी, लीड एक्टर्स रणबीर कपूर और साईं पल्लवी के अलावा प्राइम फोकस बिजनेस हेड नीरज शंघाई को एक साथ देखा गया। ऐसे में, अमित शाह ने फिल्म की पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और साथ ही इतने बड़े लेवल पर भारत के सबसे पूजनीय महागाथाओं में से एक को सिल्वर स्क्रीन पर लाने की इस शानदार उपलब्धि को भी सराहा। जिस चीज ने इस मुलाकात को और भी खास बना दिया, वह है फिल्म के मेकर्स द्वारा रामायण की भव्य दुनिया को समझने के लिए अमित शाह से सराहना पाना। मेकर्स यह देखकर हैरान भी हुए और खुश भी कि श्री अमित शाह इस महाकाव्य, इसके इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के बारे में इतनी गहरी जानकारी रखते हैं। श्री अमित शाह द्वारा फिल्म के विषय और उसे बनाने के पीछे के सिनेमाई प्रयास के लिए मिली तारीफ ने इस मुलाकात को वहां मौजूद सभी के लिए यादगार बना दिया।



भजन बजाकर अक्षय ने तोड़ी ट्विंकल की नींद

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार और दिग्गज अभिनेता रवि किशन हाल ही में लोकप्रिय चैट शो 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में साथ नज़र आए। शो के दौरान हंसी-मज़ाक और धमाकेदार किस्सों के बीच एक ऐसा पल आया, जिसने दर्शकों और सोशल मीडिया यूज़र्स का सारा ध्यान खींच लिया।

दरअसल, शो के एक मज़ेदार सेगमेंट के दौरान अक्षय कुमार ने अपनी पत्नी और लेखिका ट्विंकल खन्ना को फोन लगाया, लेकिन उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि वह खुद ट्विंकल के तीखे और मज़ेदार तंज का शिकार होने वाले हैं। देखते ही देखते यह पूरा वाकया इंटरनेट पर छा गया और फैंस इस स्टार कपल की केमिस्ट्री पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। शो के दौरान अक्षय कुमार को एक खास टास्क दिया गया था। नियम के मुताबिक, उन्हें अपने किसी परिचित या दोस्त को फोन करना था और उससे "Hey Karan, it's me" बुलवाना था, जिसके बदले उन्हें पांच अंक मिलने थे। अक्षय ने बिना देर किए अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना का नंबर डायल किया और फोन को स्पीकर पर रख दिया। जैसे ही ट्विंकल ने कॉल रिसीव की, उन्होंने बिना भूमिका बांधे अक्षय को सुबह-सुबह नींद खराब करने के लिए सुनाना शुरू कर दिया। ट्विंकल ने शिकायत भरे अंदाज में कहा कि वह पिछली रात ढंग से सो नहीं पाई थी और सुबह 6 बजे ही अक्षय ने भक्ति गीत यानी भजन बजाकर उनकी नींद तोड़ दी।





अल्लू अर्जुन की Raaka में हुई 90s के इस दिग्गज बॉलीवुड स्टार की एंट्री

लंबे समय से फ्लॉप फिल्मों की मार झेल रहे गोविंदा के करियर में फाइनली उम्मीद की एक किरण जागती नजर आ रही है। खबर है कि एक्टर के हाथ एक बड़े बैनर की साउथ फिल्म लगी है। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर बहुत जल्द एटली की साइंस फिक्शन फिल्म राका में नजर आएंगे। इसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आएंगे। सियासेट डेली की रिपोर्ट के अनुसार राका गोविंदा का पहला साउथ डेब्यू होगी। राका का निर्देशन एटली कर रहे हैं जिसके जरिए अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। राका को इंडियन सिनेमा की मच अवेटेड फिल्मों में से एक माना जा रहा है। वहीं गोविंदा का नाम जुड़ने के साथ ही फैंस को मन में इसको लेकर दिलचस्पी और अधिक बढ़ गई है। गोविंदा इसमें क्या रोल निभा रहे हैं इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

डस्ट टू स्टारडस्ट का गाना रिलीज

फिल्म गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट के निर्माताओं ने अपना नया गाना आया रिलीज़ कर दिया है। इस भावुक और सुरीली संगीत रचना को मशहूर गायक सोनू निगम और प्रतिभाशाली गायिका सावनी रविंद्र ने अपनी मधुर आवाज़ दी है। माँ के निस्वार्थ प्रेम, अनगिनत त्याग, अटूट हिम्मत और बेशुमार देखभाल को समर्पित यह गाना एक ऐसे खूबसूरत एहसास को बयां करता है, जो हर दिल से जुड़ता है।

अपनी सुकून देने वाली धुन और दिल को छू लेने वाले संगीत के साथ आया श्रोताओं को एक गहरा भावुक संगीतमय अनुभव देता है। सोनू निगम की खास गायकी और सावनी रविंद्र की भावपूर्ण आवाज़ मिलकर मां के प्यार, अपनापन और ममता की गहराई को खूबसूरती से सामने लाती है। इस गाने के बोल समीर लालजी पांडे ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत जुनैद कुमार ने तैयार किया है। यह गीत माँ के निस्वार्थ समर्पण और हमारे जीवन को संवारने में उनकी अहम भूमिका को समर्पित एक खूबसूरत श्रद्धांजलि है। यह गाना उस माँ के प्रेम का उत्सव है, जो बिना किसी उम्मीद के सब कुछ देती है, हर मुश्किल में मजबूती से खड़ी रहती है और बिना किसी शर्त के अपने बच्चों से प्यार करती है। आया अपनी मधुर धुन और भावनाओं के जरिए श्रोताओं के दिलों को छूने और पुरानी खूबसूरत यादों को ताजा करने का वादा करता है, जो हर किसी को अपनी माँ से जुड़े अनुभवों की याद दिलाएगा।

माँ के प्रेम को सोनू निगम और सावनी रविंद्र ने दी आवाज





गाने के बारे में बात करते हुए सोनू निगम ने कहा कि आया का हिस्सा बनना उनके लिए एक बहुत अच्छा अनुभव रहा। उन्होंने खास तौर पर इसकी धुन और बोल की सराहना की, जो मिलकर एक खूबसूरत भावना पैदा करते हैं। उन्होंने गणेश आचार्य और जुनैद कुमार के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया और उम्मीद जताई कि दर्शकों को भी यह गाना उतना ही पसंद आएगा, जितना इसे बनाते समय उन्हें अच्छा लगा।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - कल आप धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में सुधार के योग बन रहे हैं और नए अवसर मिलने की उम्मीद है। यदि आप संपत्ति से संबंधित किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो वह कल समाप्त हो जाएगी। बिजनेस में सकारात्मक बदलाव आने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और प्रतिस्पर्धी आपकी प्रगति देखकर आश्चर्यचकित रहेंगे।

वृषभ राशि - परिवार के किसी सदस्य से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। पिताजी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उनके स्वास्थ्य नियमों का पालन करवाएं। आपने जो काम शुरू किया है, उसमें सफलता मिलेगी। अवकाश या खाली समय मिलने से लव पार्टनर से मुलाकात का मौका मिलेगा और डिनर डेट पर जा सकते हैं।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल का दिन मध्यम फलदायी रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में कलह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे मानसिक तनाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम बिगड़ सकता है और नुकसान हो सकता है। वाहन में खराबी आने के कारण अचानक खर्चे बढ़ सकते हैं। विदेश से जुड़े कामों में सफलता मिलती दिख रही है।

कर्क राशि - कर्क राशि वाले कल बुद्धि और विवेक से नए काम की तलाश शुरू करेंगे। यदि पारिवारिक संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद चल रहा है, तो किसी वरिष्ठ अधिकारी की मदद से समाधान हो जाएगा। छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी होगी। भाइयों और मित्रों की मदद से नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में जीवनसाथी की सलाह से काफी लाभ होगा और रिश्ते मजबूत होंगे।

सिंह राशि - कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से बचना होगा, अन्यथा यह कानूनी मुद्दा बन सकता है। रोजगार के क्षेत्र में अस्थिरता के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे मन अशांत रहेगा। धैर्य के साथ पारिवारिक समस्याओं का समाधान करें; बड़ों की मदद से लंबित सरकारी कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापारियों को कल नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि - पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा तथा कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कल कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे, जिनका वहन आपको करना पड़ेगा। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा और जीवनसाथी के साथ बच्चों के भविष्य को लेकर कोई निर्णय ले सकते हैं। संपत्ति या वाहन खरीदने की इच्छा कल पूरी हो सकती है। लोग आपकी कार्यशैली से प्रभावित होंगे।

तुला राशि- तुला राशि वालों के पारिवारिक जीवन में कल मान-सम्मान बढ़ेगा और दान-पुण्य के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। परिवार के किसी सदस्य से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। नौकरीपेशा जातक आराम और सुकून का आनंद लेंगे। सामाजिक कार्य करने से वंचित समाज का सहयोग मिलेगा और सभी आपके साहस व पराक्रम की प्रशंसा करेंगे।

वृश्चिक राशि - नया व्यापार शुरू करने में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे अच्छा लाभ होगा। संतान की नौकरी से संबंधित कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे भविष्य की चिंता कम होगी। विद्यार्थियों को शिक्षकों का सहयोग मिलेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिताजी का सहयोग पारिवारिक बिजनेस की कठिन परिस्थितियों में सहायक होगा और समस्या समाप्त होगी।

धनु राशि- परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, क्रोध पर नियंत्रण रखें अन्यथा रिश्तों में दरार आ सकती है। विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान का विशेष ध्यान रखें। व्यापारी कल लेन-देन करते समय सावधानी बरतें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मकर राशि - वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और सेहत का ध्यान रखें। लव पार्टनर से मुलाकात हो सकती है और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे। राजनीतिक लोगों को जनता का सहयोग मिलेगा। व्यापार में निर्णय लेने की क्षमता का लाभ मिलेगा, जिससे भविष्य में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ राशि- व्यापारियों के लिए कल का दिन भविष्य के लिए नई योजनाएं लेकर आएगा। पिताजी के साथ संबंधों में सुधार आएगा और उनके विचारों को प्राथमिकता देने से लाभ होगा। कार्यस्थल पर अपने काम से सभी पर भारी पड़ेंगे और व्यापारिक सौदों में सफलता मिलेगी।

मीन राशि-अच्छे कर्मों से परिवार का नाम रोशन होगा और बड़ों के आशीर्वाद से सभी काम बनते चले जाएंगे। व्यापारियों के लिए लाभ के प्रबल योग हैं और प्रतिस्पर्धियों को कड़ी टक्कर देने में कामयाब रहेंगे। रोजगार से जुड़ी कोई खबर मिलेगी और बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

कब मनाई जाएगी संकष्टी चतुर्थी?



हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य और विघ्नहर्ता माना गया है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले गणपति बप्पा का स्मरण और पूजन करने की परंपरा है। उनकी आराधना के लिए प्रत्येक महीने कई विशेष तिथियां आती हैं, जिनमें संकष्टी चतुर्थी का विशेष स्थान है। यह व्रत भगवान गणेश को समर्पित होता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से गणेशजी की पूजा और उपवास करने से जीवन के संकट दूर होते हैं तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है। कब मनाई जाएगी संकष्टी चतुर्थी?

संकष्टी चतुर्थी का व्रत प्रत्येक महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भक्त सुबह से उपवास रखते हैं और शाम को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हैं। इसके बाद चंद्रोदय होने पर चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। नवंबर 2026 में मार्गशीर्ष मास की गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का व्रत 27 नवंबर, शुक्रवार को रखा जाएगा। इस दिन श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा करेंगे और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे। पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि 27 नवंबर को सुबह 9 बजकर 48 मिनट से शुरू होगी और 28 नवंबर को सुबह 6 बजकर 39 मिनट तक रहेगी। नई दिल्ली में चंद्रोदय का समय रात 8 बजकर 18 मिनट बताया गया है। हालांकि चंद्रमा के उदय का समय अलग-अलग शहरों में बदल सकता है। इसलिए अपने स्थानीय पंचांग के अनुसार चंद्रोदय का समय देखना उचित रहेगा।

इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने के साथ चंद्रदेव को अर्घ्य देने का विधान है। मान्यता है कि गणपति बप्पा अपने भक्तों के जीवन से विघ्न-बाधाओं को दूर करते हैं। इसलिए संतान की खुशहाली, परिवार की उन्नति, कारोबार में तरक्की और जीवन में सुख-शांति की कामना से श्रद्धालु यह व्रत रखते हैं।

संकष्टी शब्द का अर्थ संकटों से मुक्ति या कठिनाइयों का निवारण होता है। वहीं चतुर्थी चंद्र मास की चौथी तिथि को कहा जाता है। इस प्रकार संकष्टी चतुर्थी का अर्थ संकटों को दूर करने वाली चतुर्थी से लगाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक महीने पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है।

क्यों खास है मार्गशीर्ष माह

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष महीने को बेहद पवित्र और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है। इसे अगहन मास के नाम से भी जाना जाता है। मार्गशीर्ष महीने का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं को महीनों में मार्गशीर्ष बताया है। आइए जानते हैं मार्गशीर्ष माह 2026 कब से शुरू होगा, कब समाप्त होगा, क्या है इसका महत्व व आध्यात्मिक परंपराएं

मार्गशीर्ष माह 2026 की शुरुआत और समाप्ति कब होगी?

हिंदू पंचांग में चंद्र मास की गणना 2 प्रमुख पद्धतियों से की जाती है। इन्हें पूर्णिमांत और अमांत पंचांग कहा जाता है। इसी वजह से अलग-अलग राज्यों में मार्गशीर्ष महीने की शुरुआत और समाप्ति की तारीख में अंतर दिखाई देता है।



अमांत पंचांग के अनुसार

महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत में मार्गशीर्ष माह 9 दिसंबर बुधवार से शुरू होकर 7 जनवरी 2027, गुरुवार तक रहेगा।

दोनों पद्धतियों में अंतर का कारण महीने की गणना का तरीका है। पूर्णिमांत पंचांग में पूर्णिमा के बाद नया महीना शुरू होता है, जबकि अमांत पंचांग में अमावस्या के बाद नए महीने की शुरुआत मानी जाती है। इसलिए किसी भी व्रत या त्योहार की तारीख निर्धारित करते समय अपने क्षेत्र के स्थानीय पंचांग को देखना जरूरी होता है।

मार्गशीर्ष माह का धार्मिक महत्व

मार्गशीर्ष महीने को भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय मास माना जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता के विभूतियोग में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि महीनों में वे मार्गशीर्ष हैं। गीता का यह कथन इस महीने की आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस महीने में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। भक्त इस दौरान भगवान के नाम का स्मरण करते हैं, गीता का पाठ करते हैं और धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेते हैं।

इस मौसम में इनसे होने वाली बीमारियां हो सकती हैं खतरनाक

सर्दी का मौसम आते ही खांसी, सर्दी-जुकाम और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। लेकिन कई बार इनके पीछे सिर्फ ठंड या प्रदूषण नहीं, बल्कि आसपास के आम चीजें भी जिम्मेदार होती हैं। कबूतर की बीट और गाजरघास (कांग्रेस घास या पार्थेनियम) इस सूची में सबसे ऊपर हैं। ये दोनों ही भारत के शहरों और गांवों में आम हैं और इस मौसम में विशेष रूप से स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।



कबूतर की बीट से होने वाली बीमारियां

कबूतरों को दाना डालना कई घरों में आम प्रथा है, लेकिन उनकी बीट और पंख स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। सूखी बीट हवा में मिलकर फंगल स्पोर्स और एंटीजन फैलाती है।

हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस (बर्ड फैंसियर्स लंग) : बार-बार संपर्क से फेफड़ों में सूजन हो जाती है। लंबे समय तक रहने पर फेफड़ों में फाइब्रोसिस (सख्त होना) हो सकता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ होती है और कुछ मामलों में ऑक्सीजन या ट्रांसप्लांट तक की जरूरत पड़ जाती है।

क्रिप्टोकोकोसिस : क्रिप्टोकोकस नीओफॉर्मन्स फंगस से होता है। फेफड़ों से शुरू होकर मस्तिष्क तक पहुंच सकता है (मेनिनजाइटिस)।

हिस्टोप्लाज्मोसिस : हिस्टोप्लाज्मा कैप्सुलैटम फंगस से बुखार, खांसी, सीने में दर्द और थकान।

सिटाकोसिस (Psittacosis) : बैक्टीरियल संक्रमण जो निमोनिया जैसे लक्षण पैदा करता है।

अन्य : साल्मोनेला, ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया पेट संबंधी समस्याएं (दस्त, उल्टी, बुखार) पैदा कर सकते हैं। अस्थमा और एलर्जी भी बढ़ सकती है।

डॉक्टरों ने हुगली की साढ़े तीन साल की बच्ची का एक दुर्लभ और जटिल मामले में सफलतापूर्वक इलाज किया है। इस उपचार में एक उन्नत एंडोस्कोपिक तकनीक (कैमरे वाली एक पतली और लचीली ट्यूब की मदद से की जाने वाली न्यूनतम चीरा-आधारित प्रक्रिया) का इस्तेमाल किया गया। इस तकनीक के माध्यम से पैंक्रियास में सूजन के बाद उसके आसपास बनने वाले तरल पदार्थ से भरे संग्रह का इलाज किया गया। यह प्रक्रिया आमतौर पर वयस्क मरीजों पर की जाती है, लेकिन इसे महज साढ़े तीन साल की बच्ची पर सफलतापूर्वक करना बाल चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



इस स्थिति के कारण पैंक्रियास के आसपास तरल पदार्थ जमा हो गया था, जिससे पेट पर दबाव पड़ रहा था और बच्ची के लिए सामान्य रूप से खाना तथा वजन बढ़ाना मुश्किल हो रहा था। डॉक्टरों की टीम ने इस समस्या के सफल उपचार के लिए ल्यूमेन-अपोजिंग मेटल स्टेंट (LAMS) की मदद से एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (EUS)-गाइडेड ड्रेनेज प्रक्रिया अपनाई। इस प्रक्रिया में एंडोस्कोप के माध्यम से अल्ट्रासाउंड इमेजिंग की मदद से जमा हुए तरल पदार्थ की पहचान कर उसे बाहर निकाला जाता है। LAMS एक विशेष प्रकार की छोटी धातु की ट्यूब होती है, जो दो अंगों के बीच एक रास्ता बनाती है, जिससे जमा हुआ तरल बाहर निकल सके।

सोनल को इस वर्ष जुलाई में गंभीर पैंक्रियाटाइटिस (पैंक्रियास में सूजन) की शिकायत के बाद पहली बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके कारण पैंक्रियाटिक डक्ट (वह नली जिसके माध्यम से पैंक्रियास से पाचन रस बाहर निकलता है) में क्षति हुई और पैंक्रियास का तरल आसपास के हिस्से में रिसने लगा, जिससे वहां तरल जमा हो गया। हालांकि, बाद में पैंक्रियाटिक डक्ट से तरल का रिसाव ठीक हो गया, लेकिन जमा हुआ तरल बना रहा और धीरे-धीरे पैंक्रियाटिक स्यूडोसिस्ट में विकसित हो गया। इस स्थिति में तरल से भरी थैली पेट पर दबाव डालने लगी, जिसके कारण बच्ची को बार-बार पेट में दर्द होने लगा, खाने में परेशानी होने लगी और उसका वजन भी उम्र के अनुसार सामान्य से कम रहने लगा। चूंकि यह समस्या अपने आप ठीक नहीं हो रही थी, इसलिए डॉ. भास्वती चक्रवर्ती आचार्य के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने आगे चिकित्सकीय हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया। पोस्ट-नेक्रोटिक कलेक्शन पैंक्रियास के आसपास बनने वाला तरल पदार्थ का एक संग्रह है, जो आमतौर पर पैंक्रियास में सूजन यानी पैंक्रियाटाइटिस के बाद विकसित होता है।

वित्त एवं लेखा विभाग में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के वित्त एवं लेखा विभाग में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) आर. के. भट्टाचार्जी उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) आशीष कुमार अग्रवाल एवं उप महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) राघवेन्द्र कुमार गर्ग सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रवीन निगम ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा कार्यशालाओं को केवल संवैधानिक वांछनीयता तक सीमित न रखते हुए हिंदी में कार्यालयीन कार्य करना अपनी प्राथमिकता और आदत बनाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिंदी में हस्ताक्षर करने की शुरुआत करते हुए दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। आशीष कुमार अग्रवाल ने हिंदी में कार्य करने से कार्यालयीन प्रक्रियाओं में सरलता एवं गति आने की बात कही। उन्होंने सहकर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करने पर बल दिया। वहीं राघवेन्द्र कुमार गर्ग ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में लेखन एवं टाइपिंग के दौरान हिंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र हिंदी भाषी क्षेत्र में स्थित है तथा अधिकांश कार्मिक हिंदी में संवाद करते हैं। हिंदी का प्रयोग कार्यक्षमता एवं कार्यदक्षता बढ़ाने में सहायक है। कार्यशाला के प्रारंभ में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग द्वारा आयोजित 'चित्र देखें✍कविता लिखें' प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) सु अमृता गंगराडे ने अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। इस अवसर पर अनुभाग अधिकारी (स्टॉक वेरीफिक्रेशन) उज्ज्वल प्रसन्नो ने भी अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा। उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासनङ्कराजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने प्रतिभागियों को हिंदी में समस्त कार्यालयीन कार्य करने की शपथ दिलाई तथा राजभाषा से संबंधित सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान हिंदी भाषा के मुहावरों पर आधारित 'रिक्त स्थान भरो प्रतियोगिता' आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार महाप्रबंधक सु अमृता गंगराडे, द्वितीय पुरस्कार उप महाप्रबंधक अविलाश प्रसाद पंसारी एवं तृतीय पुरस्कार अनुभाग अधिकारी (स्टॉक वेरीफिक्रेशन) उज्ज्वल प्रसन्नो ने प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार उप महाप्रबंधक अरुण कुमार बंसल, प्रबंधक सु नेहा रानी एवं अनुभाग अधिकारी सुनील कुमार शर्मा को प्रदान किए गए। विभाग में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित करने की परंपरा के अंतर्गत प्रत्येक तिमाही में पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इसी क्रम में विगत तिमाही के लिए अहिंदी भाषी वर्ग में अनुभाग सहयोगी सु बी. रेणु तथा हिंदी भाषी वर्ग में उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अरुण कुमार बंसल को विशेष पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) एवं विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारी सु स्मिता जैन ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि पिछली तिमाही की कार्यशाला में लिए गए निर्णयों का पूर्णतः पालन किया जा रहा है तथा विभागीय पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। विभाग के कार्मिकों की रचनाएँ संयंत्र की पत्रिका 'भिलाई भाषा भारती' एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की पत्रिका 'महानदी' में नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। साथ ही, संयंत्र एवं नराकास स्तर पर आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में विभागीय कार्मिक उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और पुरस्कार भी अर्जित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुभाग अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने किया।

बैगा पारा में 18.24 लाख रुपये से होगा सड़क का डामरीकरण, लोक कर्म प्रभारी ने किया निरीक्षण

-गोपाल मंदिर से चंद्राकर ट्रेडर्स तक सड़क का होगा बीटी रिन्यूवल, निर्माण कार्य से पहले स्थल की तैयारियों का लिया जायजा



दुर्ग। नगर पालिक निगम।महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर आज वार्ड क्रमांक 9 बैगा पारा में सड़क डामरीकरण कार्य को लेकर आज लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं सभापति श्याम शर्मा द्वारा एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर एवं ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद जीतू ताम्रकर, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर एवं उप अभियंता करण यादव के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया।गोपाल मंदिर से चंद्राकर ट्रेडर्स, बैगा पारा स्टेडियम के समीप तक सड़क का बीटी रिन्यूवल (डामरीकरण) कार्य 18.24 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्थल की स्थिति, साफ-सफाई एवं निर्माण कार्य की तैयारियों का जायजा लिया। लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने सड़क निर्माण क्षेत्र में बाधा बन रहे सड़क किनारे रखे बिल्डिंग मटेरियल,सहित पुराने कबाड़ गाड़ीयो एवं ठेले को हटाने की अपील करते हुए कहा कि निर्माण कार्य सुचारू रूप से पूरा कराने में नागरिकों का सहयोग आवश्यक है।उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि नागरिकों को बेहतर एवं टिकाऊ सड़क सुविधा मिल सके।उल्लेखनीय है कि कल महापौर अलका बाघमार द्वारा उक्त स्थल पर भूमिपूजन कर डामरीकरण कार्य का शुभारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय द्वारा भूमिपूजन पश्चात् निर्माण कार्य प्रारंभ, भिलाई-3 में बनेगा मॉडल उप पंजीयक कार्यालय भवन

71.41 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति



दुर्ग । दुर्ग जिले के अनुविभाग मुख्यालय भिलाई-3 में मॉडल उप पंजीयक कार्यालय भवन निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। 71.41 लाख रूपये लागत की इस भवन का भूमिपूजन 24 नवम्बर 2026 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से संपन्न हुआ था। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के कार्यपालन अभियंता आर.के. गोडबोले ने बताया कि उक्त निर्माण हेतु छत्तीसगढ़ गृह निर्माण भवन अधोसंरचना विकास मण्डल को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया है। संभाग कार्यालय द्वारा निविदा प्रकाशन की कार्यवाही पूर्ण करते हुए, मेसर्स कौशल चन्द्राकर को भवन निर्माण हेतु कार्यादेश जारी किया गया है। वर्तमान में ठेकेदार द्वारा कार्य स्थल भिलाई-3 में मॉडल उप पंजीयक कार्यालय का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया हैं। इस मॉडल ऑफिस में आम जनता को टोकन डिस्प्ले की सुविधा के साथ बैठने, वासरूम, पेयजल आदि की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।

संरक्षित नमी का लाभ लेने किसान जीरो टिलेज तकनीक से करें बुवाई

जुताई का खर्च और समय होगा कम, मिट्टी की नमी भी रहेगी सुरक्षित



दुर्ग। जिले में गेहूं एवं चना की बुवाई शुरू हो चुकी है। इस वर्ष खेतों में पर्याप्त नमी संरक्षित होने के कारण किसानों को इसका लाभ लेने के लिए जीरो टिलेज (शून्य जुताई) तकनीक से बुवाई करने की सलाह दी जा रही है। इस तकनीक से धान की कटाई के बाद बिना पारंपरिक जुताई किए सीधे खेत में रबी फसलों की बुवाई की जा सकती है। जीरो टिलेज तकनीक से खेती करने पर खेत की बार-बार जुताई की आवश्यकता नहीं होती, जिससे ट्रैक्टर एवं डीजल पर होने वाला खर्च कम होता है। साथ ही खेत की तैयारी में लगने वाला समय बचता है और फसलों की समय पर बुवाई संभव हो पाती है। इस तकनीक के लिए विशेष जीरो टिलेज सीड ड्रिल मशीन का उपयोग किया जाता है। गेहूं, चना, मसूर एवं अन्य रबी फसलों की खेती में यह तकनीक उपयोगी है।

जीरो टिलेज तकनीक के प्रमुख लाभ–शून्य जुताई से मिट्टी में उपलब्ध नमी सुरक्षित रहती है, जिससे फसल की शुरुआती अवस्था में लाभ मिलता है। इसके अलावा मिट्टी की संरचना एवं जैविक गतिविधियों को बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को कम करने तथा फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन में भी मदद मिलती है। नमी के बेहतर संरक्षण से सिंचाई की आवश्यकता कम हो सकती है और डीजल की खपत घटने से पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलता है। समय पर बुवाई होने से फसल को अनुकूल परिस्थितियां मिलती है तथा उत्पादन एवं आर्थिक लाभ बढ़ने की संभावना रहती है। कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा दुर्ग द्वारा किसानों को जीरो टिलेज तकनीक के महत्व एवं उपयोग की जानकारी प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से दी जा रही है। किसानों को सलाह दी गई है कि खेतों में संरक्षित नमी का अधिकतम लाभ लेने के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर अथवा अन्य किसानों के पास उपलब्ध जीरो टिलेज सीड ड्रिल मशीन से बुवाई करें। इससे खेती की लागत कम करने के साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

श्रमिकों की सुविधा के लिए नगरीय निकायों में स्थापित होंगे श्रमिक सहायता काउंटर

नवीन श्रमिक पंजीयन, श्रमिक कार्ड संशोधन एवं अद्यतीकरण, पंजीयन कार्ड नवीनीकरण, योजनाओं का लाभ वितरण, शिकायत व समस्या का किया जाएगा निराकरण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले के असंगठित एवं निर्माण श्रमिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ दिलाने तथा पंजीयन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जिले के नगरीय निकायों के प्रमुख वार्डों एवं सार्वजनिक स्थलों पर श्रमिक सहायता काउंटर स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। श्रमिक सहायता काउंटर के माध्यम से पात्र निर्माण एवं असंगठित श्रमिकों का नवीन पंजीयन, श्रमिक कार्ड में नाम, जन्मतिथि, पता एवं मोबाइल नंबर संबंधी त्रुटियों का सुधार और पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके अलावा श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने की व्यवस्था भी की जाएगी। काउंटरों पर श्रमिकों की कार्यस्थल से संबंधित समस्याओं तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर सिंह ने संबंधित नगरीय निकायों को काउंटर संचालन के लिए कम्प्यूटर, इंटरनेट सहित आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने तथा श्रम विभाग के कर्मचारियों के साथ अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे श्रमिकों को पंजीयन, कार्ड संशोधन एवं योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिए आसानी से सुविधा मिल सकेगी।

संविधान दिवस पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन



दुर्ग। संविधान दिवस के अवसर पर आज कलेक्टोरेट, तहसील एवं ग्राम स्तर सहित शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं, नगरीय निकायों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों एवं संगठनों में भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संविधान के मूल आदर्शों एवं सिद्धांतों के प्रति निष्ठा रखने की शपथ ली। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, नगर निगम दुर्ग आयुक्त मती लीना कोसम, नगर पालिक निगम रिसाली आयुक्त मती मोनिका वर्मा, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, सिल्वी थॉमस, खेमराज वर्मा तथा संयुक्त कलेक्टर राहुल कुमार रजक सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पारदर्शी उर्वरक वितरण हेतु एफ़आरएमएस मोबाइल ऐप एवं टोकन प्रणाली पर कृषक प्रशिक्षण



दुर्ग। रबी सीजन 2026-27 में किसानों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण रखने के उद्देश्य से जिले में फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल मोबाइल एप आधारित टोकन व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत किसानों को डिजिटल प्रणाली से जोड़ना और उर्वरक प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल एवं सुविधाजनक बनाना है। जिले में एफ़आरएमएस (फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल) टोकन वितरण की कार्यप्रणाली का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा किसानों को इसके माध्यम से खाद क्रय करने की प्रक्रिया समझाने के लिए अब तक 362 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों और ग्राम स्तर पर आयोजित किसान चौपालों के माध्यम से लगभग 5,600 कृषकों सहित सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु केवल योजना की सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं दी गई, बल्कि उन्हें स्वयं अपने मोबाइल से एफ़आरएमएस टोकन जनरेट करने और उसके माध्यम से उर्वरक प्राप्त करने तक की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष (लाइव) प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इससे किसान डिजिटल व्यवस्था को आसानी से समझ सकेंगे और खाद खरीदी के दौरान होने वाली भीड़भाड़ व अन्य संभावित परेशानियों से बच सकेंगे। इस पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर्स, विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स और मैदानी अमले द्वारा प्रत्यक्ष संवाद कर किसानों व विक्रेताओं को टोकन जनरेट करने की बारीकियों तथा आवश्यक सावधानियों से अवगत कराया गया।

मुड़ीपार क्षेत्र में हर्ष का माहौल, समर्थकों ने दी बधाई

गौतम बने स्वास्थ्य विभाग के विधायक प्रतिनिधि



मुड़ीपार। क्षेत्र के सक्रिय सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता गौतम चंद जैन को स्वास्थ्य विभाग में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी इस नियुक्ति की खबर मिलते ही मुड़ीपार सहित आसपास के क्षेत्रों में उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

निष्ठा से दायित्व निभाने का संकल्प–नई जिम्मेदारी मिलने पर गौतम चंद जैन ने विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाने और संगठन को मजबूती देने के लिए वे निरंतर सक्रिय रहेंगे।

पूर्व में भी हो चुके हैं सम्मानित–उल्लेखनीय है कि गौतम चंद जैन लंबे समय से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं और इसके लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित भी किया जा चुका है। उन्हें मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में संस्कार सेवा से जुड़े कार्यों के लिए सम्मान प्राप्त हुआ था। इसके अलावा, 20 अगस्त को अखिल भारतीय आकाशवाणी केंद्र में भी उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया था।

क्षेत्रवासियों ने जताई उम्मीद–उनकी इस नियुक्ति पर स्थानीय नागरिकों, गणमान्य जनों और शुभचिंतकों ने हर्ष जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। लोगों को उम्मीद है कि उनके अनुभव और सक्रियता से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सकेगा और आमजन की बात प्रभावी ढंग से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचेगी।

श्रमिकों का आधार आधारित ई-केवाईसी एवं अभिलेख अद्यतन कार्य जारी, 669 शिविरों में 27,718 आवेदन प्राप्त

दुर्ग। जिले में पंजीकृत श्रमिकों के अभिलेखों को आधार कार्ड के अनुरूप अद्यतन करने का कार्य लगातार जारी है। श्रम विभाग द्वारा ई-केवाईसी एवं आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया के माध्यम से पात्र श्रमिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक लगभग 669 शिविर आयोजित कर 27,718 पंजीकृत श्रमिकों के श्रम पंजीयन कार्ड को आधार कार्ड के अनुरूप अद्यतन करने के आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं। सहायक श्रमायुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में 1 लाख 14 हजार 36 श्रमिकों का नया पंजीयन लंबित नहीं है, बल्कि ये सभी पूर्व से पंजीकृत श्रमिक हैं, जिनके पंजीयन अभिलेखों का आधार कार्ड से मिलान एवं आवश्यक अद्यतन किया जा रहा है। शासन द्वारा दोहरे एवं अपात्र पंजीयन रोकने, योजनाओं में पारदर्शिता लाने तथा पात्र श्रमिकों को डीबीटी के माध्यम से लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आधार आधारित ई-केवाईसी अनिवार्य किया गया है। पुराने पंजीयन अभिलेखों में नाम की वर्तनी, जन्मतिथि, पता एवं मोबाइल नंबर में अंतर होने के कारण कुछ मामलों में ऑनलाइन सत्यापन में समय लग रहा है। ऐसे प्रकरणों के निराकरण के लिए विभाग द्वारा तकनीकी सहायता एवं संशोधन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, लोक सेवा केंद्रों एवं च्वाइस सेंटरों के माध्यम से प्रचार-प्रसार के साथ ग्रामीण क्षेत्रों और नगरीय वार्डों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। श्रम विभाग के अनुसार मंडल गठन से अब तक छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत 3 लाख 91 हजार 883 श्रमिकों को 1 अरब 25 करोड़ 75 लाख 59 हजार 147 रुपये तथा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत 57 हजार 263 श्रमिकों को 53 करोड़ 53 लाख 52 हजार 692 रुपये की सहायता प्रदान की गई है। वहीं पिछले तीन वर्षों में विभिन्न श्रेणियों के 26 हजार 551 श्रमिकों को 59 करोड़ 19 लाख 43 हजार 750 रुपये से लाभान्वित किया गया है। जिन श्रमिकों के पंजीयन कार्ड अद्यतन हो चुके हैं, उन्हें विभागीय योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है। शेष श्रमिकों के अभिलेख अद्यतन करने की प्रक्रिया भी जारी है। विभाग ने श्रमिकों से अपील की है कि वे भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें और अपने नजदीकी च्वाइस सेंटर (सीएससी) अथवा विभागीय शिविर में आधार कार्ड एवं श्रमिक पंजीयन कार्ड के साथ पहुंचकर आवश्यक संशोधन शीघ्र पूर्ण कराएं, ताकि कोई भी पात्र श्रमिक शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com